● वर्ष-3
● अंक-124
रायपुर, मंगलवार
02 जनवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› जीवन चक्र के बंधन से मुक्ति का ...

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान

दरगाहों, मकतबों, मदरसों और मस्जिदों में भी राम नाम जपने की तैयारी!

अयोध्या। अयोध्या में बन रहे राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तिथि नजदीक आने के साथ ही तमाम आयोजनों के जरिये अपील की जा रही है कि सभी धर्मों के लोग 22 जनवरी को आयोजित होने वाले रामोत्सव को मिलजुलकर मनाएं। इसी कड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार ने भी देश के मुसलमानों से 22 जनवरी को अयोध्या में राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर मस्जिदों, दरगाहों और मदरसों में 'श्री राम, जय राम, जय जय राम' जपने की अपील की। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, ''भारत में 99 प्रतिशत मुसलमान और अन्य गैर-हिंदुओं का भारत से नाता है। उनका नाता आगे भी बना रहेगा, क्योंकि हमारे पुरखे एक ही थे। उन्होंने अपना धर्म बदला, अपना देश नहीं।'' आरएसएस नेता ने इस्लाम, ईसाइयत, सिख या किसी भी अन्य धर्म का पालन कर रहे लोगों से 'शांति, सद्भाव एवं भाईचारा' के लिए अपने अपने धर्मस्थलों पर प्रार्थना कर अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से जुड़ने की अपील की।

हम आपको बता दें कि इंद्रेश कुमार 'राम मंदिर, राष्ट्र मंदिर- ए कॉमन हेरिटेज' नामक एक पुस्तक के विमोचन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आरएसएस से जुड़े मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) के मुख्य संरक्षक कुमार ने कहा, ''हमारे पुरखे एक ही थे, हमारी सूरत भी एक जैसी है, हमारी पहचान संबंधी आकांक्षाएं भी समान हैं। हम सभी का इसी देश से नाता है, हमारा विदेशियों से कोई लेना-देना नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''एमआरएम ने अपील की है और मैं आज दोहरा रहा हूं कि दरगाहों, मकतबों, मदरसों और मस्जिदों में 11 बार 'श्री राम जय राम जय जय राम' दोहराएं। बाकी आप अपनी उपासना पद्धति का पालन करें।'' इस अवसर पर केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, ''जिनका हृदय बड़ा है, सोच बड़ी है, उनके लिए पूरा विश्व ही कुनबा (परिवार) है। ज्ञान परंपरा, जिस पर भारत आधारित है, इस उपदेश से भरा है।''

संसद में पास हुए तीन नए कानून को सुप्रीम चुनौती

नई दिल्ली। तीनों कानूनों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने की मांग करते हुए, वकील विशाल तिवारी द्वारा दायर जनहित याचिका में कहा गया कि इन्हें बिना किसी संसदीय बहस के अधिनियमित किया गया था क्योंकि अधिकांश विपक्षी सदस्य निलंबित थे।

भारत की दंड संहिता में बदलाव लाने के लिए कानून के तीन नए सेटों के अधिनियमन को चुनौती देने वाली एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई है, जिसमें दावा किया गया है कि उनमें कई खामियां और विसंगतियां हैं। लोकसभा ने 21 दिसंबर को तीन प्रमुख कानून पारित किए थे - भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता, और भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) विधेयक। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को विधेयकों पर अपनी सहमति दी। ये नए कानून- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम-भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। तीनों कानूनों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने की मांग करते हुए, वकील विशाल तिवारी द्वारा दायर जनहित याचिका में कहा गया कि इन्हें बिना किसी संसदीय बहस के अधिनियमित किया गया था क्योंकि अधिकांश विपक्षी

सदस्य निलंबित थे। याचिका में अदालत से तीन नए आपराधिक कानूनों की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए तुरंत एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि नए आपराधिक कानून कहीं अधिक कठोर हैं और वास्तव में पुलिस राज्य स्थापित करते हैं और भारत के लोगों के मौलिक अधिकारों के हर प्रावधान का उल्लंघन करते हैं। यदि ब्रिटिश कानूनों को औपनिवेशिक और कठोर माना जाता था, तो भारतीय कानून अब कहीं अधिक कठोर हैं क्योंकि ब्रिटिश काल में आप किसी व्यक्ति को अधिकतम 15 दिनों तक पुलिस हिरासत में रख सकते थे। 15 दिनों से लेकर 90 दिनों या उससे अधिक तक का विस्तार, पुलिस उत्पीड़न को सक्षम करने वाला एक चौंकाने वाला प्रावधान है। भारतीय न्याय संहिता में राजद्रोह कानून के एक नए अवतार में अलगाव, सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियों, अलगाववादी गतिविधियों या संप्रभुता या एकता को खतरे में डालने जैसे अपराधों को शामिल किया गया है। नए कानूनों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति जानबूझकर या जानबूझकर, बोले गए या लिखे हुए शब्दों के जरिए, या संकेतों के जरिए, या दृश्य प्रतिनिधित्व के जरिए, या इलेक्ट्रॉनिक संचार के जरिए या वित्तीय साधनों के इस्तेमाल के जरिए, या अन्यथा, अलगाव को भड़काता है या उकसाने का प्रयास करता है या सशस्त्र होता है विद्रोह या विध्वंसक गतिविधियाँ, या अलगाववादी गतिविधियों की भावनाओं को प्रोत्साहित करना या भारत की संप्रभुता या एकता और अखंडता को खतरे में डालना या ऐसे किसी भी कार्य में शामिल होना या करना, आजीवन कारावास या कारावास से दंडित किया जाएगा।

राम मंदिर को लेकर मंगलवार को बीजेपी की बड़ी बैठक, नड्डा और अमित शाह रहेंगे मौजूद

भाजपा 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह के सिलसिले में मंगलवार को पार्टी नेताओं की बैठक करेगी। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और हर राज्य से पार्टी के दो-दो पदाधिकारी शामिल होंगे। सूत्रों ने पुष्टि की थी कि भाजपा ने इस साल होने वाले लोकसभा चुनावों में वोट हासिल करने के लिए अपने चुनाव अभियान में राम मंदिर अभिषेक समारोह के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का लाभ उठाने के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की है। राम मंदिर आंदोलन और मंदिर निर्माण में पार्टी की भूमिका पर प्रकाश डालने वाली एक पुस्तिका जारी की जाएगी।

तवांग से लेकर कच्छ और कश्मीर से कन्याकुमारी तक ऐसे जलेगी श्रीराम ज्योति, यह है बड़ी तैयारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के बाद देश में 22 जनवरी को एक बार फिर से दीपावली की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके लिए बाकायदा देश के अलग-अलग धार्मिक संगठनों की संयुक्त संस्थाओं की ओर से 14 जनवरी से ही हर घर को रोशन करने की व्यवस्थाएं की जाने लगी हैं। धार्मिक संगठनों की संयुक्त संस्था अखिल भारतीय सनातन महासभा ने कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी और तवांग से लेकर कच्छ तक के मंदिरों और घरों में दीपावली मनाने की योजनाएं बना ली हैं। संगठन के संरक्षक के मुताबिक 22 तारीख की शाम को तो श्रीराम ज्योति जलेगी ही, लेकिन उससे पहले हर घर में कम से कम एक दीपक जलाने के लिए उनकी संस्था ने काम शुरू कर दिया है। अखिल भारतीय सनातन महासभा के संरक्षक पंडित प्रदीप तितवारी कहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान के साथ ही उनकी संस्था ने 11 हजार धर्माचार्यों के माध्यम से देश के सभी राज्यों में इस आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से आज अखिल भारतीय हलबा, हल्बी आदिवासी समाज छत्तीसगढ़ केंद्रीय महासभा के अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र महला के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात कर नव वर्ष की बधाई और शुभकामनाएं दी।

सीबीआई ने शिवकुमार से निवेश का मांगा ब्यौरा, कांग्रेस नेता बोले- साजिश

नई दिल्ली। फर्म के प्रबंध निदेशक को सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने के लिए बुलाया गया है। मामले को लेकर डीके शिवकुमार ने कहा कि मुझे नहीं पता कि उनकी मंशा क्या है लेकिन इससे पता चलता है कि वे मुझे और पार्टी को परेशान करना चाहते हैं। आय से अधिक संपत्ति के मामले में सीबीआई ने एक नोटिस जारी कर एक मलयालम टेलीविजन चैनल में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के निवेश का विवरण मांगा है। इस कदम को कांग्रेस नेता ने एक राजनीतिक साजिश का हिस्सा बताया है। यह नोटिस, रविवार को दिया गया, कुछ हफ़्ते बाद आया जब कर्नाटक सरकार ने 'प्रक्रियात्मक खामियों' का हवाला देते हुए आय से अधिक मामले की जांच के लिए केंद्रीय एजेंसी को दी गई मंजूरी वापस ले ली। सीबीआई ने केरल स्थित जयहिंद कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड से विवरण मांगा है, जहां

शिवकुमार भागीदार हैं। फर्म के प्रबंध निदेशक को सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने के लिए बुलाया गया है। मामले को लेकर डीके शिवकुमार ने कहा कि मुझे नहीं पता कि उनकी मंशा क्या है लेकिन इससे पता चलता है कि वे मुझे और पार्टी को परेशान करना चाहते हैं। बहुत बड़ी साजिश है। उन्होंने यह भी कहा कि मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता, सही समय पर न्याय मिलेगा। सरकार ने मामला लोकायुक्त को सौंप दिया है लेकिन सीबीआई नोटिस जारी कर रही है, लेकिन मुझे नहीं पता कि उन्होंने ऐसा क्यों करना शुरू कर दिया है। यह कहते हुए कि सीबीआई के पास पहले से ही सभी दस्तावेज हैं, शिवकुमार ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि एजेंसी अभी भी नोटिस क्यों जारी कर रही है।

मणिपुर के थौबल में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या

इम्फाल। मणिपुर के थौबल जिले में सोमवार को तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई, इस दौरान पांच अन्य लोग भी घायल हो गए हैं। राज्य में हिंसा न भड़के इसके लिए पांच घाटी जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया हैं। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि बंदूकधारियों की अभी तक पहचान नहीं हो सकी हैं। बंदूकधारी छद्मवेशी कपड़ों में लिलोंग चिंगजाओ क्षेत्र पहुंचे, जहां स्थानीय लोगों पर गोलीबारी की।

प्रमुख समाचार

नौजवानों, हमारी मस्जिद हमने खो दीः ओवैसी

नई दिल्ली। ओवैसी ने अपने एक संबोधन में कहा कि नौजवानों, मस्जिदों को आबाद रखो। उन्होंने कहा कि नौजवानों मैं तुमसे कह रहा हूं हमारी मस्जिद हमने को दी और वहां क्या किया जा रहा है, आप देख रहे हैं। नौजवानों, क्या हमारे तुम्हारे दिलों में तकलीफ नहीं होती। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर तैयारियां जारी है। हालांकि, इसको लेकर राजनीति भी खूब हो रही है। इन सब के बीच एआईएमआईएम के प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भड़काऊ बयान दिया है। उन्होंने अपने एक संबोधन में कहा कि नौजवानों, मस्जिदों को आबाद रखो। उन्होंने कहा कि नौजवानों मैं तुमसे कह रहा हूं हमारी मस्जिद हमने को दी और वहां क्या किया जा रहा है, आप देख रहे हैं। नौजवानों, क्या हमारे तुम्हारे दिलों में तकलीफ नहीं होती। अपने भाषण को एक्स पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि नौजवानो!! अपनी मिल्ली हमियत और ताक़त को बरक़रार और मस्जिदों को आबाद रखो। कहीं ऐसा ना हो के हमारी मस्जिदें छीन ली जाये। उन्होंने अपने भाषण में लोगों से एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा कि मुझे उम्मीद है कि आज का नौजवान सोचेगा कि उसे किस तरह खुद को, अपने परिवार को और अपने मोहल्ले को बचाना है।

अयोध्या पर 'सुप्रीम' फैसले में जज का नाम क्यों नहीं?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के फैसले नजीर बनते हैं। बीते पांच साल में कई ऐसे फैसले हुए जिनका अक्सर जिक्र होता है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट की पीठ से पारित ऐतिहासिक फैसलों और उनसे जुड़े सवालों पर विस्तार से बात की है। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने समलैंगिक शादियों को कानूनी रूप से वैध मानने, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म करने जैसे मामलों में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के अलग-अलग पहलुओं पर बात की है। उन्होंने पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ के फैसले पर भी बात की। जस्टिस चंद्रचूड़ ने बताया, संघर्ष के लंबे इतिहास और राम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद भूमि विवाद के विविध दृष्टिकोणों को ध्यान में रखते हुए, शीर्ष अदालत ने अयोध्या मामले पर एक स्वर में बोलने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि मुकदमे की संवेदनशीलता और फैसले के प्रभाव को देखते हुए अयोध्या मामले में न्यायाधीशों ने सर्वसम्मति से फैसला लिया कि अदालत के फैसले में किसी लेखक की भूमिका तय नहीं की जाएगी।

जापान में आया 7.5 तीव्रता का भूकंप, टकराई सुनामी की लहरें

टोक्यो। नए साल पर जापान से एक चिंता करने वाली खबर सामने आ रही है। यहां 7.5 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया, जिसके बाद कई झटके महसूस किए गए। इससे देश के पश्चिमी तट के एक बड़े हिस्से में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि, यह भी जानकारी सामने आई है कि इशिकावा प्रांत के वाजिमा शहर में 1.2 मीटर की सुनामी की लहर टकरा गई है। फिलहाल, किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन अधिकारियों को तत्काल लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के आदेश दिए गए हैं। इस बीच, जापान ने इशिकावा, निगाता और तोयामा, नागानो प्रान्तों के लिए एक और भूकंप की चेतावनी जारी की है। वहीं, सोशल मीडिया पर तोयामा शहर में आई सुनामी का वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि अभी यह नहीं कहा जा सकता है कि यह वीडियो अभी की है या पहले कभी की। एक रिपोर्ट के अनुसार, सुनामी की चेतावनी के बाद लोगों से इशिकावा, निगाता, तोयामा और यामागाता प्रान्तों के तटीय क्षेत्रों को जल्द से जल्द छोड़ने का आग्रह किया गया है। कहा जा रहा है कि पांच मीटर (16 फीट) ऊंची लहरें उठ सकती हैं। कोस्टल एरिया में रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा गया है।

अर्जुन अवॉर्ड पा चुके पीएपी के उपाधीक्षक का मिला शव

नई दिल्ली। दलबीर सिंह (54) के शव पर चोट के निशान थे और वह जालंधर के बस्ती बावा खेल में एक सड़क पर पड़ा मिला था, जहां वह

तैनात थे। जालंधर के पुलिस आयुक्त स्वपन शर्मा ने बताया कि उनका एक पैर कुचला हुआ पाया गया। हम मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि अर्जुन पुरस्कार विजेता और पंजाब सशस्त्र पुलिस (पीएपी) के उपाधीक्षक जालंधर में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाए गए। उन्होंने बताया कि दलबीर सिंह (54) के शव पर चोट के निशान थे और वह जालंधर के बस्ती बावा खेल में एक सड़क पर पड़ा मिला था, जहां वह तैनात थे। जालंधर के पुलिस आयुक्त स्वपन शर्मा ने बताया कि उनका एक पैर कुचला हुआ पाया गया। हम मामले की जांच कर रहे हैं। जहां उनका शव मिला वह सड़क कपूरथला स्थित उनके गांव तक जाती है। कमिश्नर ने कहा, घटनास्थल उनके गांव से करीब 8 किलोमीटर दूर है। पुलिस ने कहा कि सिंह के परिवार ने मामले में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, डीएसपी पिछले महीने जालंधर में एक अन्य इलाके के निवासियों के साथ लड़ाई में शामिल थे।

बाबरी विध्वंस के बाद दंगे का आरोपी 30 साल बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुलिस के अनुसार पुजारी को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया था क्योंकि उसके मामले को लंबे समय से लंबित बताया गया था।

हुबली-धारवाड़ की पुलिस आयुक्त रेणुका सुकुमार के अनुसार, यह पुलिस का एक नियमित अभियान है। कर्नाटक के हुबली में पुलिस ने 50 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जो 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद हुए दंगों में शामिल था। जब हुबली में दंगे हुए तब आरोपी पुजारी 20 साल का था। पुलिस के अनुसार पुजारी को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया था क्योंकि उसके मामले को लंबे समय से लंबित बताया गया था। हुबली-धारवाड़ की पुलिस आयुक्त रेणुका सुकुमार के अनुसार, यह पुलिस का एक नियमित अभियान है। रेणुका सुकुमार ने कहा कि यह एक नियमित अभियान है जहां हम लंबे समय से लंबित मामलों को सुलझाने का प्रयास करते हैं। 2006 में इस मामले को लंबे समय से लंबित करार दिया गया था. पिछले तीन महीनों में हमने ऐसे 37 मामलों को सुलझाया है। और यह उनमें से एक है। आरोपी को अब न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पहले पिछली गलतियों के लिए माफी मांगे, फिर न्याय यात्रा निकाले कांग्रेस

डॉ. आशीष वशिष्ठ

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 14 जनवरी को मणिपुर से भारत न्याय यात्रा करने का ऐलान किया है। पार्टी के अनुसार, भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से एकता, प्रेम और सद्भाव का संदेश फैलाने के बाद गांधी देश के लोगों के लिए न्याय मांगेंगे। राहुल गांधी 6200 किलोमीटर की यात्रा के दौरान 14 राज्यों को कवर करेंगे। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जिस कांग्रेस पार्टी ने देश के बंटवारे के फैसले से लेकर लंबे कालखंड तक तमाम अवसरों पर अन्याय किया है, वो आखिरकार किस मुंह से न्याय यात्रा निकालेगी?

1947 में देश के बंटवारे को लेकर कितने किस्से हम और आप ने सुन रखे हैं, लेकिन जिन्होंने बंटवारे में अपना घर-बाहर और अपने को खोया है, वो सिर्फ एक ही बात कहते हैं कि नेहरू की प्रधानमंत्री बनने की जिद ने बंटवारा करवाया। मेरे पूर्वजों ने भी बंटवारे का दंश सहा है। हिन्दुस्तान की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बंटवारे की पीड़ितों के साथ हर कदम पर अन्याय किया। रिफ्यूजी कैंपों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं थी। बंटवारे के बाद कई महीनों और वर्षों तक शरणार्थियों के निवास प्रमाण पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज नहीं बने थे। शरणार्थियों को कोई विशेष दर्जा, आरक्षण या छूट सरकार ने नहीं दी। नतीजतन, शरणार्थियों की पूरी एक पीढ़ी शिक्षा, नौकरी और तमाम अन्य क्षेत्रों में पिछड़ गई। शरणार्थियों को बंटवारे से ज्यादा दर्द और तकलीफ नेहरू सरकार की बेरूखी, बेइंसाफी और बदइंतजामी ने दिया।

31 अक्टूबर 1984 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या उनके दो सिख अंगरक्षकों ने की। इसके अगले दिन से ही दिल्ली और देश के दूसरे कुछ हिस्सों में सिख विरोधी दंगे भड़क उठे थे। इन दंगों में सिखों के घरों, दुकानों को जलाया और लूटा गया और उनको मौत के घाट उतारा गया। दिल्ली और अन्य स्थानों पर हत्यारों और लुटेरों की भीड़ का नेतृत्व ज्यादातर कांग्रेस के नेता कर रहे थे। प्रेस एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार इन दंगों में दिल्ली में ही लगभग 2700 लोग मारे गए थे और देशभर में मरने वालों का संख्या 3,500 के करीब थी। 19 नवंबर, 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री और इंदिरा गांधी के उत्तराधिकारी व उनके पुत्र राजीव गांधी ने दिल्ली बोट क्लब में इकट्ठा हुए लोगों के हुजूम के सामने कहा

कि, 'जब इंदिरा जी की हत्या हुई थी, तो हमारे देश में कुछ दंगे-फ़साद हुए थे। हमें मालूम है कि भारत की जनता को कितना क्रोध आया, कितना गुस्सा आया और कुछ दिन के लिए लोगों को लगा कि भारत हिल रहा है। जब भी कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती थोड़ी हिलती है।'

प्रधानमंत्री राजीव गांधी के शब्दों में कोई ज़िक्र नहीं था उन हज़ारों सिखों का जो अनाथ और बेघर हो गए थे बल्कि ये वक्तव्य उनके जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा था। दंगों के 21 साल बाद प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने संसद में इसके लिए माफ़ी मांगी और कहा कि जो कुछ भी हुआ, उससे उनका सिर शर्म से झुक जाता है। लेकिन क्या इतना कहने भर से ही सरकार का फ़र्ज़ पूरा हो गया? क्या इससे आज़ाद भारत के सबसे सबसे बुरे हत्याकांड की यादें मिट गईं? सिख दंगों के दोषी कांग्रेसी नेता गांधी परिवार के खास हैं। गांधी परिवार के किसी भी सदस्य ने आज तक हजारों निर्दोष सिखों के कत्लेआम के लिए माफी नहीं मांगी है।

साल 1984 में दो दिसंबर की रात को भोपाल में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से जहरीली गैस के रिसाव के असर से सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 15 हजार लोग मारे गए और लाखों लोग घायल हुए। मध्य प्रदेश में उस समय कांग्रेस की सरकार थी और अर्जुन सिंह मुख्यमंत्री थे। केंद्र में भी कांग्रेस की सरकार थी और राजीव गांधी देश के पीएम थे। हादसे के वक्त यूनियन कार्बाइड कंपनी का सीईओ अमेरिकी कारोबारी वारेन एंडरसन था। हादसे के 4-5 दिन बाद यानी सात दिसंबर को एंडरसन भोपाल पहुंचे थे और उन्हें हवाई अड्डे पर ही गिरफ़्तार कर लिया गया था। लेकिन उसी दिन कुछ ही घंटों के बाद उन्हें न केवल ज़मानत मिल गई यहां तक की मध्य प्रदेश राज्य के सरकारी विमान में उन्हें दिल्ली भेजा गया। एंडरसन उसी दिन दिल्ली से अमेरिका चले गए थे। कांग्रेस की सरकार हजारों निर्दोष देशवासियों की हत्या के दोषी को उचित दण्ड और सजा देने की बजाय उसे बचाने और भगाने में मददगार बनी।

देश के संत गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने के लिए केंद्र सरकार से कानून बनाने की मांग कर रहे थे। पीएम इंदिरा गांधी से अपनी मांग मनवाने के लिए प्रसिद्ध संत करपात्री जी महाराज के नेतृत्व में सात नवंबर 1966 को देशभर के लाखों साधु-संत अपने साथ गायों-बछड़ों को लेकर संसद के बाहर आ डटे थे। सरकार ने लोकतान्त्रिक तरीके से मांग कर रहे निहत्थे साधु-संतों की भीड़ पर गोली चलवाई, आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठियां बरसवाईं। जिसमे सैंकड़ों साधु संतों और गोरक्षकों की जान गई। इसमें मरने वालों की संख्या पर विवाद है। इस घटना के अगले ही दिन टाइम्स ऑफ़ इंडिया में छपी रिपोर्ट में पुलिस की ओर से 209 राउंड फायरिंग की बात कही गयी थी।

1985 में सुप्रीम कोर्ट ने एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला शाहबानो के पति मोहम्मद अहमद खान को हर महीने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया।

हिट एंड रन के सख्त नियमों के खिलाफ मोटर यूनियन एसोसिएशन ने किया बंद का आह्वान

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला पेण्ड्रा मरवाही में भारतीय न्याय संहिता 2023 में हुए संशोधन के बाद अब हिट एंड रन के मामलों में सख्त नियम हो गए हैं। नए नियम के तहत हिट एंड रन के केस में वाहन चालक पर सात लाख रुपये तक का जुर्माना और 10 साल तक के कैद का प्रावधान किया गया है। जिसके बाद इसका विरोध भी जारी हो गया है। आज पेण्ड्रा की सड़कों पर बस चालकों के साथ ऑटो चालक भी सड़कों पर उतरे हैं जिसके चलते बस और ऑटो से यात्रा करने वाले यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नए यातायात नियम भारतीय न्याय संहिता 2023 में हुए संशोधन के बाद अब हिट एंड रन के मामलों के विरोध में छत्तीसगढ़ मोटर यूनियन एसोसिएशन ने आज प्रदेश व्यापी बंद का आह्वान किया है जिसके तहत ट्रक मोटर एसोसिएशन ने आज सुबह से ही राजमार्ग क्रमांक 26 को बिलासपुर, मनेद्रगढ़, कोरबा, अंबिकापुर मार्ग का यातायात प्रभावित किया है। वाहन चालकों ने यात्री बसें नहीं निकाली हैं जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है।

नए कानून को लेकर ट्रक मोटर एवं ऑटो चालकों का अपना अभिमत है उनका मानना है कि यह नया कानून न्याय संगत नहीं है। हम हमारे मोटर मालिक अपने वाहनों का टैक्स बीमा फिटनेस आदि देकर सड़कों में वाहन चलाते हैं, और यदि सामने वाले की गलती से कोई दुर्घटना हो जाए तो हम वाहन चालक जो दूसरे की मजदूरी करते हैं वह कैसे इतने बड़े जुर्माने को भर सकेंगे।

अगर उनके पास जुर्माने की राशि भरने के लिए इतने पैसे होते तो वे क्यों दूसरे के पास मजदूरी करते। वहीं वाहनों की बस और ऑटो के सड़कों पर नहीं चलने से यात्रियों को भी खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पेंड्रा में यातायात के नए कानून का विरोध, सड़कों पर उतरे बस और ऑटो चालक संघ

संसद से पारित नए ट्रैफिक नियम को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलते ही देशभर में यह लागू हो गया है। इस बीच नए नियम के तहत हिट एंड रन के केस के प्रावधानों का वाहन चालकों ने विरोध किया है। सोमवार को पेंड्रा में इसके खिलाफ विरोध भी देखने को मिल रहा है। सड़कों में बस चालकों के साथ साथ ऑटो चालक भी उतरे गए हैं। बस-ऑटो बंद होने से यात्रियों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

भारतीय न्याय संहिता 2023 में हुए संशोधन के बाद अब हिट एंड रन के मामलों में सख्त नियम हो गए हैं। नए नियम के तहत हिट एंड रन के केस में वाहन चालक पर 7 लाख रुपये तक का जुर्माना और 10 साल तक कैद का प्रावधान किया गया है। जिसके विरोध में छत्तीसगढ़ मोटर यूनियन एसोसिएशन ने आज प्रदेश व्यापी बंद का आह्वान किया है। आज सुबह से ही वाहन चालकों ने यात्री बसें और ऑटो नहीं निकाले हैं। जिससे बिलासपुर, मनेद्रगढ़, कोरबा और अंबिकापुर मार्ग का यातायात प्रभावित हुआ है। जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है।

नए कानून को लेकर ट्रक मोटर एवं ऑटो चालको का अपना अभिमत है। उनका मानना है कि यह नया कानून न्याय संगत नहीं है। हमारे मोटर मालिक अपने वाहनों का टैक्स, बीमा, फिटनेस आदि देकर सड़कों में वाहन चलाते हैं। यदि सामने वाले की गलती से कोई दुर्घटना हो जाए तो हम वाहन चालक, जो दूसरे की मजदूरी करते हैं, वह कैसे इतने बड़े जुर्माने को भर सकेंगे। अगर उनके पास जुर्माने की राशि भरने के लिए इतने पैसे होते तो वे क्यों दूसरे के पास मजदूरी करते।

धान खरीदी की लिमिट से किसानों की बढ़ी परेशानी

गौरेला पेंड्रा मरवाही। किसान कहने को तो अन्नदाता कहलाता है, परंतु अन्नदाता की जो दुर्दशा हो रही है, उसकी एक बानगी देखनी हो तो पेंड्रा के कृषि उपज मंडी के बाहर आ जाइए। किसान अपने धान बेचने के लिए टोकन कटाने रातभर ठंड में कतार लगाकर अपनी बारी का इंतेजार कर रहे हैं। पेंड्रा कृषि उपज मंडी के बाहर इकट्ठे यह किसान ठंड से बचने के लिए कंबल और अलाव का सहारा लेकर सुबह होने का इंतजार कर रहे हैं।

धान को समर्थन मूल्य में बेचने के लिए किसान को पहले टोकन कटाना होता है। उसके बाद धान बिक्री की तिथि मिलने के बाद ही वह अपने धान को खरीदी केंद्र लेकर बेचने आता है। हालांकि शासन ने टोकन काटने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था भी की है, लेकिन सरकार द्वारा प्रतिदिन केवल 2200 क्विंटल ही धान खरीदने की व्यवस्था दी है। जिसमें 40 फीसदी यानी 880 क्विंटल के लिए ही ऑनलाइन टोकन काटने की व्यवस्था है।

बाकी 1320 क्विंटल धान के लिए काउंटर पर आकर किसान टोकन कटा सकता है। इसी 1320 क्विंटल धान का टोकन लेने के लिए किसान रात भर कतार में लगे रहने को मजबूर हैं।

किसानों ने समस्याओं को लेकर धान खरीदी केंद्र प्रभारी से भी बातचीत की है। अधिकारियों के सामने किसानों ने अपनी समस्या रखी है। मामले को लेकर खरीदी केंद्र प्रभारी मान सिंह राठौर ने कहा, पहले की सरकार में टोकन वेटिंग 15 दिन तक काटा जा सकता था, जबकि वर्तमान सरकार ने प्रतिदिन ही टोकन काटने की अनुमति दी है। जिसकी वजह से किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

किसानों को हो रही टोकन की परेशानी में दो मुख्य समस्या देखी जा रही है। पहला तो सभी किसान पढ़े लिखे नहीं है, जो ऑनलाइन टोकन कटा सकें। दूसरी समस्या यह है कि काउंटर में 1320 क्विंटल धान पर छोटे किसान लाइन में हों और इस बीच यदि कोई दो-तीन बड़े किसान आ गए। ऐसे में खरीदी का कोटा फुल हो जाता है। जिसके चलते छोटे किसानों को फिर अगले दिन रतजगा कर टोकन के लिए लाइन में लगना पड़ता है। कई बार तो उनका नंबर दो-तीन दिन तक नहीं आता। ऐसे में पहले आओ पहले पाओ के चक्कर में किसान रात भर खरीदी केंद्र के बाहर रतजगा करने को मजबूर हैं।

खैरागढ़ में लुढ़का अपराध का ग्राफ, आम जनता से सीधा संवाद स्थापित कर रही पुलिस

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई। खैरागढ़ में पुलिस की सजगता के चलते जहां एक ओर अपराधों के ग्राफ में कमी आई है। तो वहीं दूसरी ओर पुलिस की सकारात्मक पहल से कम्यूनिटी पुलिसिंग से लोगों का जुड़ाव भी हुआ है। बात की जाए बीते वर्ष 2023 की, तो एसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन में अपराधो पर अंकुश लगाने में जिला पुलिस को काफी सफलता मिली है।

बीते वर्ष बलात्कार के केस में 42% की कमी आई। वहीं अपहरण के मामलों में 27 प्रतिशत की कमी आई है। लूट के मामलों में 75% की कमी आई है। सड़क दुर्घटना से मृत्यु में 22.5% की कमी देखने को मिली है। वहीं नक्सल विरोधी अभियान में भी जिला पुलिस को पिछले साल कई कामयाबी हाथ लगी। जिसमें पुलिस ने जिंदा टिफिन बम के साथ-साथ ही कई नक्सल डंप बरामद कर नक्सलियों को बैक फुट पर धकेला। वहीं साइबर अपराधों के क्षेत्र में भी खैरागढ़ जिला पुलिस द्वारा सराहनीय पहल कर लगभग 10 लाख रुपये से ज्यादा की राशि प्रार्थियो को लौटाई गई।

कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत लगातार जिला पुलिस द्वारा विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जिसमे स्वावलंबन के तहत बालक बालिकाओं को राष्ट्रीय स्तर के पुलिस अधिकारी कर्मचारी द्वारा आत्म रक्षा के लिए बॉक्सिंग और कराटे की ट्रेनिंग दी जा रही है। उड़ान कार्यक्रम के तहत गरीब असहाय बच्चो को नि:शुल्क ट्यूशन दिया जा रहा है। अभिव्यक्ति एप से महिलाओं को पुलिस से सीधा जोड़ने का काम किया जाता है और सुविधा एप के तहत चरित्र सत्यापन चाहने वाले हितग्राहियों को घर बैठे ही प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाता है। ऐसी अनेकों पहल कर खैरागढ़ जिला पुलिस आम जनता से सीधा संवाद स्थापित कर रही है।

रंग लाई एसपी की कोशिश काम पर लौटे टैंकर चालक

हिट एंड रन के नियमों के खिलाफ की थी हड़ताल

कोरबा। कोरबा में आखिरकार इंडियन आयल कॉरपोरेशन के डीलर्स को सामग्री आपूर्ति करने वाले टैंकर चालकों ने कामकाज शुरू कर दिया है। नए कानून के बारे में गलत जानकारी के आधार पर यह लोग हड़ताल कर रहे थे जिससे कामकाज बाधित हो गया था। प्रशासन को जानकारी होने पर बीच का रास्ता निकाला गया। पुलिस अधीक्षक की समझाइश के बाद टैंकर चालक अपने काम पर लौट आए।

कोरबा जिले के गोपालपुर स्थित इंडियन आयल कॉरपोरेशन के टर्मिनल से विभिन्न जिलों के डीलर्स को डीजल पेट्रोल की आपूर्ति की जा रही है। बिलासपुर और सरगुजा संभाग का क्षेत्र इस टर्मिनल से लाभान्वित हो रहा है। यहां से जुड़े हुए टैंकर चालकों ने 24 घंटे से यह कहकर विरोध कर दिया कि सरकार के द्वारा दुर्घटनाओं को लेकर नए कानून बनाए गए हैं जिनसे उन्हें समस्या हो सकती है।

चालकों के कारण आपूर्ति में समस्याएं पेश आई। मामले की जानकारी होने पर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला एसडीएम कटघोरा रिचा सिंह और दरी थाना प्रभारी रूपक शर्मा गोपालपुर पहुंचे। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अधिकारी और वाहन चालकों

के प्रतिनिधि भी यहां पर थे। इस दौरान चालकों से बातचीत की गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सोशल मीडिया पर भ्रामक चीजें प्रसारित होने पर इन लोगों ने भरोसा कर लिया और इसके कारण इस प्रकार की स्थिति बनी। कानून में जो बदलाव किया गया है वह सभी तरह के चालकों के लिए है ना कि केवल टैंकर चालकों के लिए।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि डीजल पेट्रोल आवश्यक वस्तु की श्रेणी में आते हैं और किसी भी कीमत पर इनका परिवहन अथवा सेवाएं बाधित नहीं की जा सकती।

नए साल में मां दंतेश्वरी के दरबार में लगा भक्तों का तांता

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा की देवी मां दंतेश्वरी के दरबार में भक्तों की भीड़ जुट रही है। नए साल की नई सुबह के साथ श्रद्धालु लाइन लगाकर माता के दर्शन कर रहे हैं।ऐसा अनुमान है कि इस साल करीब 2 लाख लोग दो दिनों के अंदर मां दंतेश्वरी के दर्शन करेंगे।छत्तीसगढ़ 52 शक्तिपीठों में एक शक्तिपीठ मां दंतेश्वरी शक्तिपीठ माना जाता है। जो पूरे भारतवर्ष में विख्यात है। माता दंतेश्वरी की ख्याति पूरे देश में विख्यात है।नए साल में लोगों ने जीवन में सुख समृद्धि और मनोकामनाएं मांगी।

आपको बता दें कि 600 करोड़ की लागत से मां दंतेश्वरी मंदिर का कायाकल्प किया जा रहा है। जिससे आने वाले समय में भक्तों की भीड़ और भी बढ़ेगी। श्रद्धालुओं के रुकने की उचित व्यवस्था की जा रही है। मंदिर प्रबंधन कमेटी हर वो सुविधा यहां जुटा रही है जिससे दूर से आने

वाले श्रद्धालुओं को माता के दरबार में जरा भी परेशानी ना हो।

मंदिर के पुजारी ने कहा पिछले 5 दिनों से अब तक लाखों श्रद्धालुओं ने मां दंतेश्वरी के दरबार में आकर अपनी मनोकामना मांगी है। मां दंतेश्वरी मंदिर का कायाकल्प होने के कारण श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। माता के दर्शन करने के लिए कमेटी ने सेवादारों की नियुक्ति की है। जो श्रद्धालुओं की लाइन लगवाकर उन्हें दर्शन करवा रहे हैं। इसमें स्काउट गाइड के बच्चों का भी सहयोग लिया जा रहा है। नववर्ष का पहला दिन होने के कारण मंदिर में काफी भीड़ है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

धमतरी में विंध्यवासिनी माता मंदिर में भक्तों की उमड़ी भीड़

धमतरी। नए साल के जश्न में पूरा देश डूबा हुआ है। लोग परिवार, दोस्तों, रिश्तेदारों के साथ पर्यटन स्थल पहुंच कर नए साल पर जश्न मना रहे हैं। बहुत से लोग मंदिर जाकर नए साल की शुरुआत कर रहे हैं। धमतरी की आराध्य देवी मां विंध्यवासिनी माता मंदिर में भी सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। धमतरी के मां विंध्यवासिनी बिलाई मंदिर की ख्याति देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी है। दूरदराज से श्रद्धालु मनोकामना लेकर पहुंचते हैं। मान्यता है कि माता बिलाई भक्तों की मनोकामना पूरी करती हैं। यही वजह है कि साल दर साल यहां भक्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। श्रद्धालु ने कहा मां विंध्यवासिनी सभी भक्तों की मनोकामना पूरी करती हैं। नया साल 2024 हर किसी के लिए सुख समृद्धि और खुशहाली लाए, माता विंध्यवासिनी से आशीर्वाद लेने और अपनी मनोकामना लेकर पहुंचे हुए ह। साल के दो नवरात्र के अलावा मां विंध्यावासिनी माता मंदिर में भक्त सुबह से ही दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। अब नया साल का मौका है। ऐसे में लोगों ने नए साल की शुरुआत से पहले माता का आशीर्वाद लिया।

युवकों का महादेव सट्टा एप से कनेक्शन, पुलिस जांच में जुटी

दुर्ग। भिलाई में आपराध के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। पुलिस की लाख कोशिशों के बावजूद अपराधि बेखौफ नजर आ रहे है। ताजा मामला युवकों का अपहरण कर उनकी पिटाई का सामने आया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने युवकों को बंधक बनाकर पिटने वाले चार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। पूरा मामला भिलाई के जामुल थाना क्षेत्र की है। जामुल टीआई केशव राम कोसले ने बताया, हाऊसिग बोर्ड निवासी केवल देवांगन की शिकायत पर विक्की शर्मा, जय शर्मा, डिम्पी शर्मा और बलवीर सिंह पर कार्रवाई की गई है। विक्की, जय और बलवीर पीड़ित को कम्प्युटर ऑपरेटर की नौकरी लगाने का झांसा देकर उसे पटना (बिहार) लेकर गए थे। जहां 30 हजार रुपए प्रतिमाह वेतम और खाने-पीने, रहने की जगह अलग से मिलने की बात कही थी। पटना जाने के बाद पीड़ित को पता चला कि महादेव सट्टा ऐप चलाने का काम है। पीड़ित के विरोध करने पर बदमाश उससे दबाव पूर्वक काम कराने लगे और काम नहीं करने पर कई तरह की धमकियां दिया करते थे।

एसपी ने केक काटकर सभी को दी नववर्ष की शुभकामनाएं

कोरबा। कोरबा में नववर्ष के स्वागत के लिए शहर के होटल बस्ती और कॉलोनी में अपने-अपने स्तर पर सभी ने 2024 का जश्न मनाया। शहर के टीपी नगर इलाके के होटल सब बुक रहा, शाम से ही युवा वर्ग में न्यूयॉर्क लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा था जैसे ही रात 12:00 उसके बाद शहर के अलग-अलग चौक चौराहा और इलाकों पर नव वर्ष की गूंजने लगी। सब लोग अपने-अपने तरह से इंजॉय करने लगे। कोरबा एसपी जितेंद शुक्ला भी देर रात तक शहर के चौक चौराहो पर व्यवस्था देखने निकले हुए थे, जहां चौक चौराहा पर पुलिस तैनात की गई थी और उनसे जानकारी एकत्र कर रहे थे। जैसे ही रात के 12:00 बजे इस दौरान कोरबा एसपी ने पुराने बस स्टैंड में केक काटकर नववर्ष की बधाई दी। कोरबा एसपी जितेंद्र शुक्ला ने कहा कि शांति व्यवस्था बनी रहे इसकी कामना करते हैं। जिले में नव वर्ष पर किसी तरह की कोई बड़ी घटना दुर्घटना नहीं हुई इसके लिए कल एसपी ने जिलेवासियों को भी बधाई दी और कहा कि आने वाले समय में भी इसी तरह से सभी का सहयोग मिलता रहे ऐसी अपेक्षा की गई।

पखांजुर में एक युवती कोरोना पॉजिटिव मिली

कांकेर। पखांजुर सिविल अस्पताल के डॉ. पीयूष सिंह ने बताया कि उपचार के दौरान एक 18 वर्षीय युवती का कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव पाया गया है, जिसे होम आइसोलेशन में रखा गया है। डॉ.पीयूष सिंह ने बताया कि युवती की स्थिति सामान्य है, उन्होने क्षेत्र के लोगो को सावधानी बरतने कहा है। उल्लेखनिय है कि पखांजुर कोरोना वायरस (जेएन-1) के देश में दस्तक देते ही कांकेर जिले के कलेक्टर के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में 28 दिसंबर को कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम एवं प्रबंधन हेतु शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देश के अनुसार जिले के सभी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया था। डॉ. खरे ने बताया कि सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में मानव संसाधन, आईसोलेशन बेड, आक्सीजनयुक्त बेड, आईसीयू बेड, वेन्टीलेटर युक्त बेड की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता का आंकलन के साथ व्यवस्था की गई है।

नए परिवहन कानून के विरोध चालकों ने किया प्रदर्शन

जगदलपुर। केंद्र सरकार के नए परिवहन कानून के तहत सड़क हादसे के बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाने की बजाए मौके से भागने वाले ड्रायवरों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किए जाने के प्रवधान एवं दुर्घटना होने पर यदि ट्रक चालक मौके से भाग जाता है, तो उसे 10 साल की सजा व 5 लाख रुपए जुर्माना लगाए जाने का प्रावधान के विरोध में जगदलपुर के वाहन चालकों ने सोमवार को वेयर हाउस कुम्हारपारा के पास एवं गीदम रोड में सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी तरफ एशिया की सबसे बड़े बस्तर परिवहन संघ ने अपना पत्ता नहीं खोला है। वाहन चालक विनोद कुमार नाग ने कहा कि चालक कभी भी अपनी मर्जी से दुर्घटना नहीं करते हैं। दुर्घटना भूलवश व गाड़ी में खराबी आ जाने व सामने वाले की गलती की वजह से होती है। दुर्घटना के लिए ऐसा कड़ा कानून दमनकारी है। इसके विरोध में बड़ा आंदोलन करना हमारी मजबूरी होगी। ड्रायवरों का आरोप है कि यह कानून नहीं बल्कि काला कानून है।

श्रम पंजीयन शिविर 6 जनवरी से 4 अप्रैल तक

धमतरी। कलेक्टर ऋतुराज रघुवंशी के निर्देश पर जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर श्रम पंजीयन, नवीनीकरण, संशोधन के लिये 6 जनवरी से 4 अप्रैल तक शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। इसके लिये अधिकारी, कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि 6 जनवरी को कुरूद के दरबा, 11 जनवरी को धमतरी के पुरी और मगरलोड के मुड़ीभांवर, 12 जनवरी को नगरी के सलोनी, कुरूद के जीजामगांव में शिविर लगाये जायेंगे। इसी तरह 17 जनवरी को धमतरी के सिवनीखुर्द, मगरलोड के पठार, 18 जनवरी को कुरूद के भेण्डरवानी, नगरी के बटनहर्रा, 23 जनवरी को धमतरी के भंवरमरा, 24 जनवरी को नगरी के बांसपानी, कुरूद के परखंदा, 30 जनवरी को धमतरी के कोड़ेगांव आर, मगरलोड के सांकरा तथा 31 जनवरी को कुरूद के खैरा तथा नगरी के बनरौद में श्रम पंजीयन शिविर आयोजित किये जायेंगे।

इसी तरह 7 फरवरी को धमतरी के ढीमरटिकुर, मगरलोड के डूमरपाली, 8 फरवरी को नगरी के राजपुर, कुरूद के कोकड़ी, 14 फरवरी को धमतरी के डोड़की, मगरलोड के सौंगा, 15 फरवरी को कुरूद कठौली, नगरी के बाजार कुर्रीडीह, 21 फरवरी को धमतरी के सेंचुवा, मगरलोड के झांझरकेरा, 22 फरवरी को कुरूद के बगौद, नगरी के भोथापारा, 28 फरवरी को धमतरी के गुजरा, मगरलोड के मुड़केरा तथा 29 फरवरी को कुरूद के भैंसबोड़ में श्रम पंजीयन शिविर लगाये जायेंगे।

इसके साथ ही 6 मार्च को धमतरी के सरसोंपुरी, मगरलोड के चंदना, 7 मार्च को कुरूद के मुरा, 13 मार्च को धमतरी के भानपुरी, मगरलोड के मोतिमपुर, 14 मार्च को कुरूद के सेलदीप, 20 मार्च को धमतरी के गंगरेल, मगरलोड के परसवानी, 21 मार्च को कुरूद के करगा, नगरी के डोकाल, 28 मार्च को धमतरी के श्यामतराई, मगरलोड के बिरझुली, 29 मार्च को कुरूद के सिवनीकला, नगरी के जबर्रा तथा 3 अप्रैल को धमतरी के भोथली, मगरलोड के भोथा और 4 अप्रैल को कुरूद के सिलौटी में श्रम पंजीयन शिविर आयोजित किये जायेंगे।

बिना कोई सूचना के कार्य में लगातार अनुपस्थित होने पर कारण बताओ नोटिस जारी

कोण्डागांव। क्षमतापुर पशु औषधालय में पदस्थ श्रीमती सुकमती बाई को 8 फरवरी 2022 से लगातार अनुपस्थित रहने के कारण कार्य में उपस्थित होने की अंतिम चेतावनी दी गई है। पशु चिकित्सा सेवायें के उप संचालक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पशु औषाधलय क्षमतापुर में पदस्थ श्रीमती सुकमति बाई लगातार बिना सूचना के अनुपस्थित है। पत्रों के माध्यम से पूर्व सूचना दी गयी है पर उनके द्वारा कोई भी जवाब नहीं दिया गया। उनके लगातार अनुपस्थिति से शासकीय कार्य में आ रहे व्यवधान तथा कार्य के प्रति लापरवाही व अरूचि के कारण इस प्रकार की कृत्य को देखते हुए कार्य में उपस्थित होने के लिए अंतिम चेतावनी दी गई है।

निजी वाहन चालकों की हड़ताल, पेट्रोल पंप में नहीं पहुंचा तेल, लोगों को परेशानी

कबीरधाम। कबीरधाम जिले में साल के पहले दिन सोमवार को हाहाकार मच गया। क्योंकि साल की पहली सुबह ही बसों की हड़ताल कर दी गई, जिसकी वजह से नए साल में यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा सभी निजी वाहन चालक भी इस हड़ताल में शामिल हैं। ऐसे में जिले के ज्यादातर पेट्रोल पंप में तेल की सप्लाई नहीं हो सकी। जिन पंप में पहले से तेल मौजूद था वहां बिक्री की जा रही है। पंप में लोगों की भीड़ है।

वहीं दोपहर 12 बजे तक कई पंप में तेल भी खत्म हो गए है। इस हड़ताल को लेकर सोमवार को कबीरधाम बस चालक संघ ने कलेक्टोरेट में ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन देने आए वाहन चालकों ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा आईपीसी में बदलाव किए गए हैं। जिसके तहत बस ड्राइवर्स हिट एंड रन के नए कानून लागू किया गया है। ऐसे में अगर कोई भी ड्राइवर एक्सीडेंट के बाद भाग जाता है तो उसके खिलाफ पांच लाख का जुर्माना और 10 साल की सजा का प्रावधान किया है। इसी का प्रदेश भर में बस संगठन ने विरोध किया है। ये हड़ताल तीन जनवरी तक जारी रहेगी। जब तक बस ड्राइवर की मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा तब तक हड़ताल जारी रहने की बात कहीं जा रही है।

कबीरधाम जिले में इंटर स्टेट की बसें चलती है। इसमें कवर्धा से यूपी के प्रयागराज व लखनऊ, मध्यप्रदेश के मंडला- जबलपुर, महाराष्ट्र के नागपुर-पुणे समेत राज्य के भीतर बिलासपुर, कोरबा, दुर्ग-भिलाई, रायपुर, राजनांदगांव, बेमेतरा, मुंगेली समेत अन्य रूट पर यात्री बस चलती हैं। ज्यादातर रूट पर बस नहीं चली हैं। इस कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। वहीं जिले के भीतर के रूट की भी बसें बंद रहीं।

संक्षिप्त समाचार

सीएम समेत तमाम नेताओं ने प्रदेशवासियों को नववर्ष की दी शुभकामनाएं

रायपुर। देशभर में नए साल 2024 का जश्न मनाया जा रहा है। सभी लोग एक दूसरे को शुभकामनाएं दे रहे हैं। इस बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत छत्तीसगढ़ के कई नेताओं ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए सभी के जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ वासियों को नववर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर ट्वीट करते हुए कहा कि आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह नया साल आप सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आये। आप नए जोश और उत्साह के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें। सीएम साय ने अपने एक और ट्वीट में कहा, आप सभी जनों के आशीर्वाद से आज छत्तीसगढ़ में सुशासन की सरकार स्थापित हुई है। इस नव वर्ष के पावन अवसर पर मैं विश्वास दिलाता हूं कि हमारी सरकार छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा में सदैव समर्पित रहेगी। आप सभी भाई-बहनों को साथ लेकर मैं और मेरी सरकार समृद्ध और खुशहाल छत्तीसगढ़ का निर्माण करेंगे। प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव ने छत्तीसगढ़ के लोगों को नए साल की बधाई दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा, आप सभी को अंग्रेजी नववर्ष 2024 की हार्दिक शुभकामनाएं। हम आत्मनिर्भर, स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में भागीदार बनेंगे व अपने यशश्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के सपनों का नया भारत बनायें, यही इस नववर्ष का संकल्प है।

सीएम ने किया प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ एवं विभागध्यक्ष शासकीय कर्मचारी संघ द्वारा प्रकाशित वार्षिक कैलेंडर 2024 का विमोचन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के करकमलों से संपन्न हुआ। विमोचन के दौरान प्रदेश अध्यक्ष कमल वर्मा के साथ पदाधिकारीगण अविनाश तिवारी, युगल किशोर, सत्येन्द्र देवांगन, रवि गढ़पाले, जीके देशमुख, लीलेश्वर देवांगन भी मौजूद रहे। संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को नव वर्ष की शुभकामनाएं भी दीं।

नव वर्ष के पहले दिन मंत्री जायसवाल ने ग्रहण किया कार्यभार

रायपुर। नव वर्ष के पहले दिन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज यहां महानदी भवन स्थित मंत्रालय में पूजा अर्चना के पश्चात कार्य भार ग्रहण किया। इस मौके पर विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी पिल्ले, स्वास्थ्य सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे । इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने विभागीय गतिविधियों के संबंध में समीक्षा ली। साथ ही इस संबंध में आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिये।

रबी फसलों की बोनी के लिए एक लाख 63 हजार 50 क्विंटल बीज वितरित

रायपुर। चालू रबी सीजन में राज्य के किसानों को सरकारी समितियों एवं निजी क्षेत्र के माध्यम से प्रमाणिक बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अब तक किसानों को विभिन्न रबी फसलों के 1 लाख 63 हजार 50 क्विंटल प्रमाणिक बीज प्रदाय किया गया है, जो कि इस साल रबी सीजन के बीज वितरण लक्ष्य का 50.23 प्रतिशत है। गौरतलब है कि राज्य में रबी की विभिन्न फसलों के बीज की कुल मांग 3 लाख 24 हजार 565 क्विंटल है, जिसके विरूद्ध 1 लाख 86 हजार 145 क्विंटल बीज भण्डारण किया जा चुका है, जो निर्धारित लक्ष्य का 57 प्रतिशत है। किसानों को अब तक 1 लाख 63 हजार 50 क्विंटल बीज का वितरण किया गया है, जिसमें 99 हजार 311 क्विंटल गेंहू बीज, 45 हजार 49 क्विंटल चना, 1408 क्विंटल मटर , 2186 क्विंटल सरसों तथा 15 हजार 96 क्विंटल अन्य रबी फसलों के बीज का वितरण शामिल है।

मुख्यमंत्री से महामंडलेश्वर सदगुरु नाथ महाराज ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राज्य अतिथि गृह पहुना में प्रेमेश्वर मठ महादेव संस्थान कानपुर के सदगुरु नाथ जी महाराज (महामंडलेश्वर काशीमठ) ने सौजन्य मुलाकात की। सदगुरु नाथ जी महाराज ने मुख्यमंत्री श्री साय को आशीर्वाद और शुभकामनाएं दी। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि आपके नेतृत्व में प्रदेश तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर होगा। राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश नित-नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

सीएम से अखिल भारतीय रामनामी महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राज्य अतिथि गृह पहुना में अखिल भारतीय रामनामी महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय को प्रतिनिधिमंडल ने दिनांक 21 जनवरी से 23 जनवरी तक मालखरौदा तहसील के ग्राम- कुरदी में आयोजित होने वाले अखिल भारतीय रामनामी महासभा के वार्षिक सम्मेलन- श्बड़े भजन मेलाश् में शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रतिनधिमण्डल को बड़े भजन मेला में आमंत्रण हेतु आभार जताया और मेला के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर अखिल भारतीय रामनामी महासभा से अध्यक्ष पं रामप्यारे रामनामी, आचार्य महेत्तर राम रामनामी, श्री गंगाराम टण्डन सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

मोदी की गारंटी पूरी करने के अब समय श्रद्धा और भक्ति का : भाजपा अध्यक्ष

बीते वर्ष के पवित्र जनादेश की भावनाओं को आत्मसात करके एक नए छत्तीसगढ़ की रचना और उसे सँवारने के लिए संकल्पित हैं - देव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने प्रदेशवासियों को नव आंग्ल वर्ष पर बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा है कि आने वाला वर्ष छत्तीसगढ़ महतारी के आँचल में सुख- समृद्धि, विश्वास, सफलता, आरोग्य, तमाम कठिनाइयों को पार करने की शक्ति और आनंद का वास वाला होगा। श्री देव ने कहा कि हम सब मिलकर बीते वर्ष के पवित्र जनादेश की भावनाओं को आत्मसात् करके एक नए छत्तीसगढ़ की रचना और उसे सँवारने के लिए संकल्पित हैं। दिसंबर माह भाजपा के मोदी की गारंटी पूरी करने के संकल्प का रहा था तो जनवरी माह श्रद्धा और भक्ति का होगा। हम पूरे छत्तीसगढ़वासी भारत के मान बिंदु प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा के युगांतरकारी उत्सव के साक्षी बनेंगे।

देव ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद अन्याय-आतंक और भ्रष्टाचार के अंधकार को चीरकर सेवा-सुशासन और गरीब कल्याण का जो नया सूर्योदय हुआ है, उसके आलोक में अब एक नया छत्तीसगढ़ आकार लेने जा रहा है। युवाओं के साथ पूरा न्याय करते हुए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी बनाकर उनकी प्रतिभा का सम्मान तो किया ही जाएगा, उनको रोजगार के विभिन्न अवसर मुहैया कराते हुए और नया रायपुर को मध्य भारत का इनोवेशन हब बनाकर रोजगार के अवसर पैदा करने का संकल्प करके भाजपा की सरकार उनके सुनहरे सपनों को एक नई उड़ान भरने का अवसर देने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 18 लाख ग्रामीण परिवारों के लिए राशि स्वीकृत करके भाजपा की प्रदेश सरकार ने गरीब परिवारों को

पक्की छत मुहैया कराने की पहल करके विश्वास की नई चमक उन आँखों में पैदा की है, जो वर्षों से अपने घर के सपने के पूरा होने के इंतजार में पथरा गई थीं। भाजपा सरकार द्वारा दो साल के बकाया बोनस का भुगतान करने और प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदने के फैसले से किसानों की आर्थिक समृद्धि के द्वार खुले हैं। इसी प्रकार महतारी वंदन योजना के तहत 12 सौ करोड़ रुपए का बजट प्रावधान करके विवाहित महिलाओं को 12 हजार रुपए सालाना देने का फैसला तो आर्थिक सशक्तीकरण का प्रतीक है ही, आतंक, असुरक्षा से प्रदेश की मातृ-शक्ति को पूर्ण सुरक्षा व सम्मान के साथ जीवनयापन के अवसर देने के लिए भी प्रदेश की भाजपा सरकार संकल्पित है। राजधानी में एक और नया नालंदा परिसर की स्थापना की घोषणा करके मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के युवाओं को जो नई सौगात दी है, वह छत्तीसगढ़ को एक नया आयाम देगी।

उन्होंने कहा कि इन सभी योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए अटल मॉनीटरिंग सिस्टम तैयार किया गया है, जिससे सभी योजनाओं के क्रियान्वयन पर मुख्यमंत्री श्री साय सीधी निगरानी रखेंगे ताकि इसमें लाभार्थियों को इसका समुचित व सही समय पर लाभ मिले। उन्होंने कहा कि भाजपा ने %मोदी की गारंटी देते हुए जितने भी संकल्प घोषित किए हैं, उन सभी गारंटियों पर इस साल पहल करके प्रदेश की सरकार विश्वास के नए आलोक में छत्तीसगढ़ को सँवारने के लिए प्रतिबद्ध है। हम सब नए साल की बेला पर इसी संकल्प से जुड़ें।

प्रधानमंत्री जनमन शिविर में विशेष पिछड़ी जनजातियों को मिल रहा है योजनाओं का लाभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के तहत राज्य के विशेष पिछड़ी जनजातियों को शिविर के माध्यम से योजनाओं का लाभ दिलाने की तेज पहल की जा रही है। पोषण चौपाल व शिविर के माध्यम से योजनाओं का लाभ दिलाने उनके घर तक पहुंचकर जागरूक करने का विशेष प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं प्रशासनिक अमला विशेष पिछड़ी जनजातियों के पंचायत, बसाहट, टोला पारा एवं घर द्वार तक पहुंच कर बड़ी सरलता एवं आत्मीयता से विभिन्न प्रकार के समस्याओं एवं आवश्यकताओं से अवगत करा रहे हैं। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंर्तगत विशेष पिछड़ी जनजाति समूह की सामाजिक आर्थिक उन्नति के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को बेहतर क्रियान्वयन के लिए शिविर लगाया जा रहा है। अधिकारी कर्मचारी शिविर के माध्यम से से अवगत हो रहे हैं । इनका चिन्हांकन कर सभी विशेष जनजातीय समूहों के लोगों को प्रधानमंत्री जनमन योजना का लाभ दिलाने मिशन मोड में कार्ययोजना बनाकर उन्हें लाभ प्रदान कराने व व योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए कार्य योजना बनाने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। इसी कड़ी में महासमुंद विकासखंड अंतर्गत ग्राम झालखमहरिया में जिला प्रशासन कमार परिवारों के घर जाकर उनसे जानकारी एकत्र कर रहा है ।

खेल सामाजिक एकता और सद्भावना को बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाते हैं : बृजमोहन

रायपुर। जिंदगी और क्रिकेट मैच दोनों में कम से कम एक बात सामान्य होती है। यह दोनों ही रोमांच से भरपूर रहते हैं। बाजी कभी भी पलट सकती है। बस हमको नई ऊर्जा के साथ लगातार संघर्ष करते रहना है। ये सीख दी वरिष्ठ मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने जो रविवार को रायपुर में चल रहे 4 दिवसीय छत्तीसगढ़ गुजराती प्रीमियर लीग समापन समारोह में दिए।

एसईसीआरएसए स्टेडियम डब्ल्यू आरएस कालोनी में आयोजित सीजीपीएल के समापन समारोह को संबोधित करते हुए श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि खेल सामाजिक एकता और सद्भावना को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते ही हैं बेहतर स्वास्थ्य के लिए भी यह जीवन की आवश्यकता है। खेल अनुशासन सीखता है और अनुशासित व्यक्ति को जिंदगी में हार, दुख, परेशानियां नहीं डरा सकती वो हर स्थिति का डट कर मुकाबला करने के लिए तैयार रहता है। इसलिए सभी को खेलना भी चाहिए और खेलों से सीख भी लेनी चाहिए।

फाइनल मैच में साई सुथार समाज की टीम ने अंतिम गेंद में छक्का लगाकर कृषि 11 के हाथों से जीत छीन ली। श्री बृजमोहन अग्रवाल ने विनर टीम को 31,000 रूपये

एवं रनर अप टीम को 21,000 रूपये व ट्राफी प्रदान की और उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस टूर्नामेंट में 16 टीमों ने हिस्सा लिया था जिसमे से 2 महिला टीम भी थीं। श्री बृजमोहन अग्रवाल ने सभी खिलाड़ियों एवं आयोजकों को टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

समापन समारोह में अध्यक्ष नितिन ढोलकिया, सचिव मनोज पारेख, निदेशक चंदू भाई बाबरिया, भावेश गोरसिया, मनीष भूपटानी, योगेश राजकोटिया, हितेश लोटिया, दीपेश ढाबलिया समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने शासन की योजनाओं का जाना हाल

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के विधायक व डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने सोमवार को पहली बार जिला प्रशासन की बैठक ली। यह बैठक कलेक्टोरेट कार्यालय में सोमवार सुबह नौ से 12 बजे तक चली। बैठक में उन्होंने शासन की योजनाओं की समीक्षा किया। डिप्टी सीएम ने कहा कि केन्द्र सरकार के सभी योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन होना चाहिए। लोगों तक शासन के सभी योजना का लाभ मिले, इस पर विशेष ध्यान दे।

इसके अलावा विजय शर्मा ने बैठक में एक-एक अधिकारियों से परिचय भी लिया। ज्यादातर अधिकारियों को डिप्टी सीएम विजय शर्मा पूर्व से ही जानते हैं।

क्योंकि, विधायक बनने से पूर्व में वे कबीरधाम जिला पंचायत के सदस्य थे। ऐसे में लोगों के आवेदन, समस्या को लेकर कलेक्टोरेट कार्यालय में आते-जाते थे। इस बार विजय शर्मा राज्य के डिप्टी सीएम के साथ-साथ गृह मंत्री के हैसियत से बैठक में शामिल हुए।

पहली बैठक एकदम सामान्य रही। गौरतलब है कि डिप्टी सीएम शर्मा बीते चार दिन से कवर्धा के दौरे पर हैं।

बीते शुक्रवार और शनिवार को कवर्धा विधानसभा के नक्सल प्रभावित क्षेत्र के दौरे पर रहे। रविवार को कवर्धा शहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इसके बाद आज कलेक्टोरेट में बैठक लेने के बाद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न जगहों में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। शाम 6 बजे के बाद रायपुर के लिए रवाना होंगे।

हर व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराना मेरी प्राथमिकता : स्वास्थ्य मंत्री

पुरानी स्वास्थ्य योजनाएं नहीं होगी बंद, श्यामबिहारी ने संभाला पदभार

रायपुर। श्यामबिहारी जायसवाल ने विधिवत रूप से आज स्वास्थ्य मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा, हिन्दू परंपरानुसार पूजा पाठ करके आज पदभार ग्रहण किया हूं। हर व्यक्ति को सरल सुलभ और अच्छा स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराना मेरी प्राथमिकता में है। जो भी भ्रष्टाचार हुआ है सभी में जांच होगी और कार्रवाई की जाएगी। आज अधिकारियों से बैठक में विभागीय जानकारी लेकर निर्देश दिया गया है। जब तक सरकारी हॉस्पिटल का बेड खाली है तब तक प्राइवेट की ओर लोगों को जाना न पड़े, ये मेरी जिम्मेदारी है। प्रदेश में कहां-कहां एम्स खोला जाएगा, इसके लिए सर्वे का दौर जारी है।

मंत्री श्यामबिहारी ने कहा, छत्तीसगढ़ में पौने 3 करोड़ जनता की सेहत सभी दुर्गम स्थलों पर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का संकल्प है। मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए काम करेंगे। सभी

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। सभी जिम्मेदार अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हुई। योजनाओं के क्रियान्वयन की रूप रेखा तैयार किए। आयुष्मान भारत योजना में जांच उपलब्ध कराना, टीबी मुक्त भारत बनाना, सिकल सेल एनीमिया की वृहद जांच करने पर चर्चा की गई।

उन्होंने कहा, स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण मंशा अनुरूप होगा। अधिकारियों को भी निरीक्षण का निर्देश दिया है। निर्माण की स्थिति, कॉलेज में सीटों की स्थिति, प्राध्यापक की स्थिति पर भी चर्चा हुई है। कोरोना मामलों की संख्या और पूर्ववर्ती सरकार के कामों की समीक्षा वाले सवाल पर उन्होंने कहा, आज बैठक में जिलेवार कोरोना को लेकर चर्चा हुई। खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना जैसी योजनाओं के संचालन पर कहा, 10 लाख की जब स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी तब स्मार्ट कार्ड का औचित्य नहीं रह जाएगा, मगर परीक्षण कर उसे आगे बढ़ाने का प्रयास होगा। किसी योजना को अभी बंद नहीं कर रहे हैं।

भूपेश बघेल ने विभागों के बंटवारे में देरी को लेकर भाजपा सरकार को घेरा

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने बीजेपी सरकार बनने के बाद मंत्रियों को विभागों के बंटवारे में हुई देरी पर सवाल उठाएं हैं। पूर्व सीएम भूपेश बघेल बीते कल रात भिलाई के सेक्टर 5 में विश्व प्रसिद्ध पंडित विजय शंकर मेहता के कार्यक्रम में पहुंचे थे। इसी बीच मीडिया से बातचीत के दौरान उनका यह बयान आया है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विभागों के बंटवारे और आत्मानंद स्कूल को लेकर कहा, उनके बारे में अभी मैं कुछ नहीं बोलूंगा अभी उन्हें काम करने दीजिए। अभी तो ले देके उन्हें (मंत्रीयों को) विभाग मिला है। कौन सचिव होगा, उनका भी अभी तक पता नहीं है। पहले उनका काम शुरू हो जाने दीजिए, उसके बाद कहेंगे।

भिलाई के सेक्टर 5 विजय ऑडिटोरियम में विश्व प्रसिद्ध पंडित विजय शंकर मेहता का कार्यक्रम रखा गया था। जिसमें पंडित विजय शंकर ने अपने विचार रखते हुए कहा कि लगातार जनरेशन चेंज हो रहा है। पहले के जनरेशन में लोगों का पूरा परिवार एक साथ रहता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होता। सब अलग-अलग हो जाते हैं। इससे परिवार बिखरने लगता है। महोत्सव एक शाम स्वागत के नाम के आयोजन को लेकर भूपेश बघेल ने कहा, पंडितजी के प्रवचन का लाभ हम सब ने लिया। मैं दूसरी बार भिलाई पंडित विजय शंकर मेहता जी का प्रवचन सुनाने आया हूं। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा, पंडित विजय शंकर मेहता इस देश के लिए एक बड़ी शख्सियत माने जाते हैं। उनका कहा गया वाक्य सभी लोग मानते हैं। भिलाई नगर निगम महापौर नीरज पाल लगातार 8 सालों से भिलाई के सेक्टर 5 में कार्यक्रम का आयोजन करते आ रहे हैं।

भूपेश बघेल ने अपनी परंपरा का निर्वाहन करते हुए मजदूरों के बीच पहुंचे

- कंबल वितरित कर मनाया नया साल, कहा- छत्तीसगढ़ के लोगों को ना हो कोई कष्ट

रायपुर। भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री रहते हर बार नए साल की शुरुआत मजदूरों के साथ करते हैं। इस बार भी पूर्व सीएम भूपेश बघेल गांधी मैदान स्थित पुराने कांग्रेस भवन के पास मजदूरों के बीच नए साल की शुरुआत करने पहुंचे। उन्होंने जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नववर्ष की प्रदेशवासियों को बधाई दी।

इस दौरान भूपेश बघेल ने कहा कि हर साल की तरह इस साल भी नई शुरुआत मजदूर साथियों के साथ किया है, हर बार करते हैं। ये परम्परा हम जारी रखे हैं, मजदूरों के हित में हमारी सरकार ने शुरू किया। गरीब के बच्चे भी अंग्रेजी माध्यम में पढ़ सके इसलिए लिए हमने आत्मानंद स्कूल खोले, आज पूरे देश में 5 किलो राशन मिलता हैं, हमारी सरकार 35 किलो देना शुरू किया, स्वास्थ्य के क्षेत्र में जेनेरिक मेडिकल, हार्ट बाजार क्लिनिक योजना, मोहहल्ला में जाकर गरीबों का इलाज किये, सभी वार्ड में मेडिकल मोबाइल यूनिट जाता था, तमाम प्रकार के इलाज होते थे, ये सब हमने शुरू किया। गरीबों की आय बढ़े इसके लिए गौमाता की सेवा के माध्यम से गोबर गौमूत्र खरीदे, लाखों परिवारों की आय बढ़ी, स्व सहायता समूह की महिलाओं को काम दिया, मेहनतकश साथी को सम्मान देना का काम किया, मजदूर दिवस के दिन बोरे-बासी, चीला-फरा, अंगाकर रोटी का भी मजा लिए, जब हम सरकार में थे तो ये सब शुरुआत किये थे। 2024 मंगलमय हो यही कामना है।

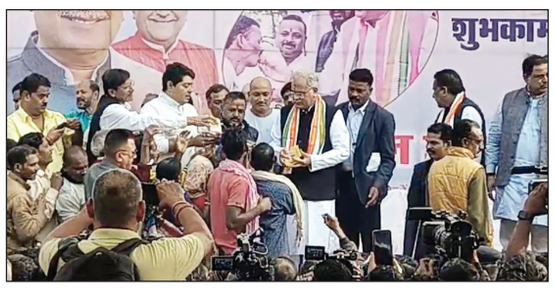

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, हर साल मुंह मीठा करके मजदूरों को कंबल बांटते हैं। देश के निर्माण में श्रम श्रमिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है, नए साल की शुरुआत हर साल यही से करते हैं।

नए साल का क्या संकल्प रहेगा? इस पर भूपेश बघेल ने कहा, नए साल का संकल्प यही है कि छत्तीसगढ़ खुशहाल रहे, छत्तीसगढ़ के लोगों को कोई कष्ट ना हो, छत्तीसगढ़ प्रगति करें, यही हमारा संकल्प है। 2024 में चुनाव है वह भी नजदीक है उसके पहले 14 जनवरी से राहुल जी यात्रा शुरू कर रहे हैं। न्याय यात्रा में हम लोग शामिल होंगे और छत्तीसगढ़ को भी जोड़ेंगे।

राम मंदिर में श्रेय की राजनीति पर भूपेश बघेल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर राम मंदिर बना है। राजीव गांधी जब प्रधानमंत्री थे तब उन्होंने कहा था न्यायालय का जो आदेश है इससे ना 1 इंच आगे ना पीछे होगा, वैसे ही लागू किया जाएगा। उस समय उन्होंने कहा था और हुआ भी यही। यह लोग भले चीखते चिल्लाते रहे लेकिन न्यायालय के आदेश से ही राम मंदिर बन रहा है। जबरदस्ती श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं। शुरू से ही हमारा स्टैंड रहा न्यायालय का आदेश हम मानेंगे आज ये लोग राजनीतिकरण कर रहे हैं, हवाई अड्डा बने कौन रोक रहा है लेकिन बेच क्यों रहे हो? हवाई अड्डा बन रहा है दूसरी तरफ बेच भी रहे हो, देश को बेचने में लगे हैं, अयोध्या में एयरपोर्ट बना है वह कब तक बचा रहेगा बिकने से यह बताएंगे?

भाजपा की घोषणाओं पर भूपेश बघेल ने कहा कि सरकार का काम है उसे पूरा करना, हम तो देख रहे हैं। अभी तो विभाग बटा है, मंत्रियों के रहने की भी जगह मकान नहीं दिया गया है। बनने दीजिए, बैठने दीजिए, व्यवस्थित होने दीजिए, काम करने दीजिए। अभी हम लोग केवल होर्डिंग में देख रहे हैं योजनाओं को धरातल में आने तो दीजिए काम करने का मौका तो दीजिए।

कब सुलझेगी इंडिया की उलझन

राज कुमार सिंह

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने सत्ता के फाइनल का सीन एकदम बदल दिया है। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया ने जो उम्मीद जगाई थी, नवंबर में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणामों ने उस उम्मीद पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। सवाल इसलिए भी कि इस बीच दक्षिण भारतीय, खासकर तमिलनाडु के सत्तारूढ़ दल डीएमके के नेताओं की ओर से इंडिया की मुश्किलें बढ़ाने वाले बयान आते रहे, तो हिंदी पट्टी के तीन प्रमुख राज्यों में गठबंधन के घटक दल ही आपस में चुनावी ताल ठोकते नजर आए। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस अपने दम पर भाजपा को टक्कर देती आई है। फिर भी आप, सपा और जेडीयू ने उम्मीदवार उतारे। उनका आरोप रहा कि कांग्रेस ने गठबंधन धर्म का निर्वाह नहीं किया। 2018 में यहां भाजपा से सत्ता छीन चुकी कांग्रेस शायद अति आत्मविश्वास का शिकार हो गई। आप, सपा और जेडीयू समेत छोटे दलों को मिले वोट बताते हैं कि अगर कांग्रेस ने गठबंधन किया होता तो जीत चाहे न मिलती, पर ऐसी शर्मनाक हार तो हरगिज न होती। शायद यह जरूरी से ज्यादा गठबंधन की मजबूरी का भी परिणाम और प्रमाण है कि चुनावी तल्खियों के बाद हुई इंडिया की बैठक में घटक दल सौहार्द और एकजुटता का प्रदर्शन करते दिखे। शीतकालीन सत्र में जिस तरह विपक्ष के 146 सांसदों को निलंबित किया गया, उससे एकजुटता की मजबूरी का अहसास और गहरा हुआ होगा। इसके बावजूद सच यही है कि इंडिया की असली चुनौतियां तो अब शुरू होंगी, इस नए साल में। समन्वय समिति बनने के बाद भी पिछले तीन महीने में इंडिया दो कदम भी आगे नहीं बढ़ा। जाहिर है, एकता के प्रदर्शन के बीच भी परस्पर शह-मात का खेल जारी है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 19 दिसंबर की बैठक में जिस तरह मल्लिकार्जुन खरगे को इंडिया का पीएम फेस बनाने का सुझाव दिया, जिसका अरविंद केजरीवाल और उद्धव ठाकरे ने समर्थन भी किया, उसके पीछे भी यही शह-मात का खेल है। वैसे आगामी लोकसभा चुनाव में सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों के मद्देनजर खरगे अच्छा दांव हो सकते हैं। पर अब, जबकि अगले लोकसभा चुनाव बमुश्किल तीन महीने दूर हैं, इंडिया का सही मायने में एक गठबंधन के रूप में जमीन पर उतरना बाकी है। इंडिया. अपने गठन के एलान के बाद से ही सीट शेयरिंग, समन्वय और न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर सहमति के दावे करता रहा है, पर सच इसके उलट है। अगर परस्पर इतनी समझदारी होती तो शायद हाल के विधानसभा चुनावों में घटक दल आपस में ही वोटों का बिखराव नहीं कर रहे होते। यह अच्छी बात है कि हिंदी पट्टी के तीन प्रमुख राज्यों में करारी हार के बाद ही सही, कांग्रेस ने संगठन की ओवरहॉलिंग शुरू की है, लेकिन उसे इंडिया के घटक दलों में समन्वय और सौहार्द बढ़ाने के लिए भी गंभीर ईमानदार प्रयास करने होंगे। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के नतीजे बताते हैं कि इस साल लोकसभा चुनाव में भाजपा के विरुद्ध साझा उम्मीदवार इंडिया की जीत की गारंटी नहीं, बल्कि चुनौती देने की पहली अनिवार्य शर्त है। दक्षिण भारत में भाजपा कमजोर है, जहां से 130 लोकसभा सांसद चुने जाते हैं। पर वहां कांग्रेस का वैसा वर्चस्व नहीं है, जैसा भाजपा का सर्वाधिक सांसद लोकसभा में भेजने वाली हिंदी पट्टी में है। फिर आंध्र प्रदेश और ओडिशा जैसे बड़े राज्यों में क्षेत्रीय दलों का दबदबा है, जिनके भाजपा से अच्छे रिश्ते हैं। जाहिर है, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस भाजपा को रोकती रही है, लेकिन उत्तर, मध्य और पश्चिम भारत में विपक्ष में वास्तविक जमीनी एकता के बगैर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हैट्रिक रोक पाने की कल्पना भी मुश्किल है।

2024 में किसका चलेगा दांव

अंकित सिंह

आम चुनाव में पीएम मोदी का फिर से दिखेगा दम या इंडिया गठबंधन को हासिल होगी कामयाबी? अरुणाचल-सिक्किम में क्या होगा? क्या ओडिशा में अपना जलवा बरकरार रख पाएंगे नवीन पटनायक? आंध्र प्रदेश चुनाव में किसकी होगी जीत? महाराष्ट्र और हरियाणा में क्या चुनौतियों को पार कर पाएगी भाजपा? जम्मू-कश्मीर में हो पाएंगे चुनाव? 2024 के शुरुआत के साथ ही राजनीति को लेकर यह वैसे सवाल है जिसका जवाब पूरे साल ढूंढने की कोशिश होगी और इन सवालों का जवाब भी धीरे-धीरे मिलता ही जाएगा। भारत लोकतांत्रिक देश है और लोकतंत्र में चुनाव का बेहद महत्वपूर्ण स्थान होता है। इस साल देश में आम चुनाव होने ही है। साथ ही साथ छह राज्यों में भी विधानसभा के चुनाव भी होंगे।

2024 में देश में आम चुनाव होने हैं। अप्रैल और मई में इसके लिए वोट डाले जाएंगे जबकि मई के तीसरे या चौथे सप्ताह में इसके नतीजे भी आ जाएंगे। आम चुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए और 28 विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के बीच हो सकता है। भाजपा एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आम चुनाव में हैट्रिक लगाने को लेकर उत्साहित है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह बार-बार कह चुके हैं कि 2024 में एक बार फिर से उनकी सरकार लौट कर आएगी। दूसरी ओर इंडिया गठबंधन का दावा है कि मोदी सरकार देश की लोकतांत्रिक और संवैधानिक ढांचे को कमजोर कर रही है। देश की जनता में निराशा है। इसलिए 28 राजनीतिक दलों को उम्मीद है कि वह एक साथ मिलकर मोदी को चुनाव हारने में कामयाब होंगे।

आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव- आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी के बीच टकराव होने वाला है। जन सेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण के टीडीपी के साथ मिलकर आगामी चुनाव लड़ने के फैसले से पार्टी को बढ़ावा मिला है, जो चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कई भ्रष्टाचार के मामले दर्ज होने से नाराज थी। राज्य ने 2019 में जगन रेड्डी द्वारा चुनाव से पहले 3,648 किलोमीटर की पदयात्रा करने के बाद वाईएसआरसीपी को सत्ता में चुना था। 2019 के चुनावों में, वाईएसआरसीपी ने 175 में से 151 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया, जबकि तेलुगु देशम पार्टी को 23 सीटें मिलीं। इस बाद राज्य में भाजपा और कांग्रेस भी अपनी ताकत लगाएगी।

ओडिशा विधानसभा चुनाव- निवर्तमान मुख्यमंत्री नवीन पटनायक बीजद के गढ़ ओडिशा में रिकॉर्ड छठी बार कार्यकाल हासिल करने का लक्ष्य रखेंगे, क्योंकि भाजपा ने इस तटीय राज्य में 51 प्रतिशत वोट शेयर हासिल करने का लक्ष्य रखा है, और कांग्रेस, जो तेलंगाना में अपने प्रदर्शन का अनुकरण करना चाहेगी। पूर्व आईएएस अधिकारी वीके पांडियन के शामिल होने से उत्साहित बीजद अपनी '5टी' परिवर्तनकारी पहल के दम पर छठी बार सत्ता में आने की उम्मीद कर रही है। वहीं, भाजपा बीजद की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही है, केंद्रीय शिक्षा मंत्री और ओडिशा के प्रमुख चेहरे धर्मेंद्र प्रधान ने पटनायक के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। 2019 के चुनावों में, बीजद ने 147 सदस्यीय विधानसभा में 112 सीटें हासिल कीं। भाजपा ने अपनी सीटें बढ़ाकर 23 कर लीं, जबकि कांग्रेस को सिर्फ नौ सीटें मिलीं।

अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव- 2014 के बाद से, भाजपा की सबसे बड़ी चुनावी उपलब्धियों में से एक उत्तर पूर्वी राज्यों में उसका बढ़ता प्रभाव रहा है। 2014 में बमुश्किल कोई उपस्थिति होने से लेकर उत्तर पूर्व में तीन राज्यों पर अकेले शासन करना इसके जुड़ाव का उदाहरण है। अरुणाचल प्रदेश में, भाजपा को कांग्रेस, नेशनलिस्ट पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) से कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा, जो पहले ही अपने पहले उम्मीदवार की घोषणा कर चुकी है, और पहली बार आम आदमी पार्टी भी चुनाव लड़ रही है। 2019 के चुनाव में, भाजपा ने राज्य विधानसभा की 60 सीटों में से 41 सीटें हासिल कीं, उसके बाद जेडीयू को 7 और कांग्रेस को 4 सीटें मिलीं।

सिक्किम विधानसभा चुनाव- हिमालयी राज्य में ज्यादातर सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट के पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग और सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के प्रमुख और मौजूदा सीएम प्रेम सिंह तमांग के बीच द्विध्रुवीय मुकाबला देखा गया है। पार्टी द्वारा 2019 का चुनाव मामूली अंतर से जीतने के बाद 2024 के चुनावों में चामलिंग एसकेएम से राज्य छीनने की कोशिश करेंगे। पिछले चुनाव में 32 सदस्यीय विधानसभा में एसकेएम ने 17 सीटें जीती थीं जबकि एसडीएफ को 15 सीटें मिली थीं।

हरियाणा विधानसभा चुनाव- कांग्रेस, आप की चुनौतियों और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को लेकर विवाद के बीच हरियाणा चुनाव भाजपा और उसके बड़े नेता मनोहर लाल खट्टर के लिए आसान नहीं होगा। यौन उत्पीड़न के आरोप को लेकर पहलवानों का भाजपा सांसद और पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और नूंह में सांप्रदायिक झड़पों के बाद इस बार भाजपा मुश्किल स्थिति में है। दोनों घटनाओं ने गठबंधन सहयोगियों भाजपा और जेजेपी के बीच दरार पैदा कर दी है। जाट समुदाय 90 विधानसभा सीटों में से 40 पर महत्वपूर्ण प्रभाव रखता है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव-इस साल होने वाले चुनावों में सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण राज्य महाराष्ट्र होगा, जिसने 2019 के चुनाव के बाद से शासन में बदलाव देखा है और दो पार्टियों - शिवसेना और एनसीपी - में विभाजित हो गया है। भाजपा, जो राज्य में सबसे बड़ी पार्टी है, वर्तमान में शिवसेना और राकांपा के अलग हुए गुटों के साथ सत्ता में है और भगवा पार्टी के लिए सीट बंटवारे को सुलझाना और मराठा आरक्षण मुद्दे को सुलझाना एक बड़ा काम होगा। 2019 के चुनावों में, बीजेपी 106 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन सीएम पद को लेकर उसकी तत्कालीन सहयोगी शिवसेना के साथ मतभेद पैदा हो गए। इसके बाद सेना ने कांग्रेस और एनसीपी के समर्थन से महा विकास अघाड़ी सरकार बनाई। हालांकि, पिछले साल जून में सेना विधायक एकनाथ शिंदे के विद्रोह के कारण सरकार गिर गई थी। महीनों बाद, शरद पवार के भतीजे अजित ने भाजपा सरकार से हाथ मिलाकर एनसीपी में विभाजन पैदा कर दिया। महा विकास अघाड़ी राज्य में भाजपा-शिवसेना गठबंधन को कड़ी चुनौती देने को तैयार है।

जम्मू और कश्मीर में चुनाव के आसार-10 साल के अंतराल के बाद, सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र को 30 सितंबर की समयसीमा दिए जाने के बाद आखिरकार इस साल जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। 2014 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव के बाद से जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है, जहां पीडीपी और भाजपा ने सरकार बनाने के लिए हाथ मिलाया था। हालाँकि, 2018 में सरकार गिर गई और तब से चुनाव होने हैं। जम्मू-कश्मीर अब एक राज्य नहीं है और इसे दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया है। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद इसका विशेष दर्जा भी छीन लिया गया है, जिसे हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा था। भाजपा को उम्मीद होगी कि उसके चुनावी वादों में से एक अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से पार्टी को चुनावों में फायदा होगा और साथ ही आतंक संबंधी घटनाओं में कमी के उसके दावे का भी फायदा मिलेगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

पाशुपतब्रह्मोपनिषद्

गतांक से आगे...

स्वयंभू (ब्रह्माजी) ने कहा- सम्पूर्ण जगत् (उत्पन्न) करने वाली मातृका विद्या (अक्षर विद्या) है। वह दो वर्ण (हंस) से युक्त तथा तीन वर्ण (प्रणव) वाली है। दो वर्ण वाली भी तीन वर्ण के सहित (प्रणव) ही है। चार मात्राओं से युक्त ओंकार मेरा प्राण रूप देवता है।

मैं ही एकमात्र तीनों लोकों का पति (भरण-पोषण करने वाला) हूँ। समस्त युग मेरे ही वश (नियंत्रण) में रहते हैं। मेरे द्वारा ही अहोरात्र अर्थात् दिन-रात्रि आदि काल संवर्द्धित (प्रादुर्भूत) हुए हैं। रवि, चन्द्रमा समस्त नक्षत्रों एवं ग्रह आदि में जो तेज विद्यमान है, वह मेरा ही स्वरूप है।

यह आकाश त्रिशक्ति युक्त (सत, रज, तम) मायारूप में मेरा ही स्वरूप है। मेरे सिवाय अन्य और कुछ भी नहीं है। तमोगुणी मायारूप- रुद्र हैं, विष्णु सतोगुणी मायारूप हैं और ब्रह्मा रजोगुणी माया रूप हैं । इन्द्रादि देवता रजोगुण एवं तमोगुण से ओत-प्रोत हैं। इनमें से कोई भी देव सात्त्विक नहीं हैं। एक मात्र केवल अघोर (शिव) ही सर्वसाधारण सामान्य रूप वाले हैं।

समस्त यज्ञों के कर्त्ता-पशुपति रुद्र भगवान् हैं, भगवान् विष्णु यज्ञ के अध्वर्यु हैं तथा इन्द्रदेव होता (मंत्र बोलने वाले) हैं। महेश्वर ब्रह्म के मानस रूप ब्रह्म ही इस यज्ञ के भोक्ता हैं। उस मानस ब्रह्म का रूप ही हंसः सोऽहं है। इस तन्मयता की प्राप्ति हेतु जो यज्ञ सम्पन्न किया जाता है, वही नाद अनुसंधान है। तन्मय (उस चैतन्यमयता) का विकार ही जीव है। [हंस साधना और सोऽहं साधना एक ही कही गई है। एक ओर से हंसः यही नाद दूसरी ओर से सोऽहं भाषित होता है। भाव रूप में मैं वह ही हूँ (हं सः) तथा वह मैं ही हूँ (सोऽहं) यह दोनों भाव तत्त्वतः जीव और ब्रह्म के एकत्व के ही बोधक हैं।]

(वह) हंस परमात्मा का स्वरूप है। (वह) हंस बाह्य एवं अन्त में विचरण करता रहता है। अन्तः के अनवकाश वाले स्थल में यह हंस सुपर्णमय (ईश्वर-परब्रह्म) रूप में विद्यमान रहता है।

क्रमशः ...

लोकतंत्र के असली हीरो थे सुकुमार सेन

ललित फुलारा

सुकुमार सेन का जन्म 2 जनवरी, सन 1898 को बंगाल में हुआ था। वह गणित में गोल्ड मेडलिस्ट थे। सुकुमार सेन ने लंदन यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के लिए जाने से पहले कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) के प्रेसिडेंसी कॉलेज में पढ़ाई की। महज 22 साल की उम्र में वह सिविल सेवा सर्विस में तैनात हो गए। यह 1921 की बात है। तब भारत गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा हुआ था। अपनी सेवा के दौरान सुकुमार सेन ने भारत के कई राज्यों और जिलों में काम किया। अपनी तेज-तर्रारी और गजब की मेधा की वजह से 1947 में सुकुमार सेन को पश्चिम बंगाल का प्रमुख शासन सचिव बनाया गया, जो कि ब्रिटिश भारत में आईसीएस अधिकारी की सबसे वरिष्ठ रेंक थी।

15 अगस्त 1947 को आजादी मिलने के बाद भारत सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी कि चुनाव प्रणाली का ढांचा कैसा हो? इस चुनौती का हल निकालने वाले थे भारतीय सिविल सेवा के सुकुमार सेन। उनकी बदौलत ही भारत का पहला आम चुनाव संपन्न हुआ था। सुकुमार सेन भारत के पहले चुनाव आयुक्त थे जिन्होंने 25 अक्टूबर 1951 से लेकर फरवरी 1952 के बीच पहला आम चुनाव संपन्न करवाया था। उन्हीं की बदौलत 67 साल पहले भारत के नागरिक पहली बार अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर पाए। उनकी इस ख्याति से प्रभावित होकर सूडान ने भी उन्हें अपने यहां चुनाव करवाने के लिए बुलाया था। कहा जाता है कि सुकुमार सेन की ही बदौलत भारत के दूसरे आम चुनाव में साढ़े चार करोड़ की बचत हो सकी।

सुकुमार सेन का यही अनुभव भारत में पहला आम चुनाव संपन्न कराने में उनके काम आया। 1951 के पहले आम चुनाव में भारत में मतदाताओं की संख्या 17 करोड़ से ज्यादा थी। सुकुमार सेन की ही बदौलत प्रत्याशियों ने 4500 सीटों पर चुनाव लड़ा जिनमें से 489 सीटें लोकसभा चुनाव की थी और बाकी राज्यों के विधानसभा की। चुनाव के लिए भारत भर में 2,24,000 मतदान केंद्र बने और 56,000 अधिकारियों की तैनाती हुई। छह महीने के कॉन्ट्रैक्ट पर 16,500 क्लर्कों को चुनाव के लिए नियुक्त किया गया। 20 लाख से ज्यादा स्टील के बक्से बनाए गए। उस वक्त चुनाव बैलेट पेपर के जरिए हुआ था। स्टील के बक्से बनाने में 8200 टन स्टील लगा। उसके बाद सबसे बड़ी चुनौती थी इन स्टील के बक्सों को अलग-अलग पोलिंग बूथ तक कैसे ले जाया जाए।

इसके लिए 280,000 सहायक लगाए गए। 224,000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने इस चुनाव को संपन्न करवाया। इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में चुनाव ढांचे के जनक सुकुमार सेन को इसके लिए कितनी मशक्कत करनी पड़ी होगी।

तबाह सीरिया को जबरन एक और युद्ध में घसीटने पर तुला है ईरान

मनीष राय

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) और उसके सबसे वफादार आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह ने 2012 से ही असद शासन के समर्थन में सीरिया में सीधे लड़ाई लड़ी है। ईरानियों ने सैन्य और आर्थिक रूप से सीरिया में भारी निवेश किया है क्योंकि तेहरान का मानना है कि सीरिया के साथ उसका गठबंधन जो है इस क्षेत्र में सबसे पुराना और टिकाऊ है। प्रतिरोध की धुरी के हिस्से के रूप में सीरिया के भू-रणनीतिक अभिविन्यास को संरक्षित करना ईरानी नेताओं के बीच सार्वभौमिक रूप से साझा किया जाने वाला एक उद्देश्य है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल के खिलाफ अग्रिम सैन्य चौकी की रणनीति के केंद्रबिंदु के रूप में कार्य करता है। ईरान का यह रुख अब खुलकर लोगों के सामने आ गया है क्योंकि सीरिया तेजी से ईरान और इजराइल के बीच युद्ध का मैदान बनता जा रहा है। ईरानी सरकारी मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, हाल ही में सीरिया की राजधानी दमिश्क के बाहरी इलाके में एक इजरायली हवाई हमले में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के एक वरिष्ठ सलाहकार की मौत हो गई। सैय्यद राजी मुहसावी, सीरिया में शीर्ष आईआरजीसी कमांडरों में से एक थे। इसके अलावा, मुहसावी सीरिया और लेबनान के सबसे पुराने आईआरजीसी कमांडरों में से एक रहे, वह 1980 के दशक से इस क्षेत्र में काम कर रहे थे। ईरानी सरकारी टीवी पर पढ़े गए एक बयान में, आईआरजीसी ने कहा कि अतिक्रमणकारी और क्रूर जिओनवादी शासन को इस अपराध के लिए भुगतान करना होगा। यह उम्मीद की जा रही है कि ईरानी इस बड़े नुकसान का बदला लेने के लिए जवाबी कार्रवाई करेंगे और संघर्ष का बढ़ना अब लगभग तय है।

एक वरिष्ठ ईरानी ऑपरेटिव की यह हत्या अचानक नहीं हुई। पिछले कुछ समय से सीरिया में स्थित ईरानी लड़ाकों द्वारा इजरायली क्षेत्र पर किए जा रहे हमलों के जवाब में इजरायल सीरिया में स्थित ईरानी ठिकानों पर हमला कर रहा है। इससे पहले भी इज़राइल ने देश से रॉकेट और मोर्टार हमलों के जवाब में सीरिया के क्षेत्र के अंदर अपने कई हमले किए हैं। इज़राइल ने सीरिया के दो मुख्य हवाई अड्डों, दमिश्क और अलेप्पो पर भी हवाई हमले किए हैं, जिससे दोनों कुछ समय के लिए सेवा से बाहर हो गए हैं। गाजा में इजरायल-हमास संघर्ष की शुरुआत के बाद से ही, सीरिया को भी इसके प्रभाव का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन अब ईरान गाजा में अपने समर्थित आतंकवादी संगठनों का मनोबल बढ़ाने के लिए सीरिया को इजरायल के खिलाफ दूसरे मोर्चे के रूप में सक्रिय रूप से इस्तेमाल कर रहा है। सीरियाई संघर्ष की शुरुआत के बाद से तेहरान का एक सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य इजरायल को घेरने की रणनीति बनाना था। इसे हासिल करने के लिए ईरानियों ने सीरियाई-इजरायल सीमा पर और विशेष रूप से गोलान हाइट्स के बाहरी इलाके में सैनिकों और सैन्य उपकरणों तैनाती की।

ईरान के सबसे भरोसेमंद प्रॉक्सी समूह हिजबुल्लाह की बड़ी सेना और सहयोगी मिलिशिया को लेबनानी-सीरियाई सीमा पर तैनात किया गया है। जहां शिया समुदायों और तीर्थस्थलों के बड़े हिस्से हैं और दक्षिणी लेबनान में हिज़्बुल्लाह के गढ़ के पास हैं। हिजबुल्लाह ने दमिश्क और होम्स शहरों सहित सीरिया के अंदर भी लड़ाकों को तैनात किया है। मध्य यूफ्रेट्स नदी घाटी में डेर अल-ज़ौर गवर्नरेट तक हिज़्बुल्लाह लड़ाकों के होने की खबरें आई हैं। हाल ही में, हिजबुल्लाह बलों ने इजरायल-सीरियाई सीमा के पास सीरियाई सैन्य ठिकानों पर तैनाती की है। इस तैनाती का उद्देश्य इज़राइल को कई मोर्चों पर घेरना है। ईरानियों ने पहले भी सीरियाई क्षेत्र से इजराइल को निशाना बनाने की कोशिश की थी।

इस संबंध में सबसे उल्लेखनीय प्रयास आईआरजीसी के कुद्स फोर्स के कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी का था, उन्होंने सीरिया में एक ट्रक पर लगे लॉन्चर से इज़राइल पर रॉकेट्स दागकर इज़राइल के सक्रिय रक्षा अभियान का जवाब देने की कोशिश की। इजरायली वायु सेना (ढ्ढस्न) ने जवाबी कार्रवाई में सीरिया में 50 से अधिक ईरानी ठिकानों को नष्ट कर दिया। इज़राइल के भयंकर हवाई अभियानों ने थोड़े समय के लिए ईरान को हतोत्साहित कर दिया परंतु ईरानियों ने सीरियाई क्षेत्र से इज़राइल पर हमला करने के लिए अन्य रास्ते तलाशने शुरू कर दिए। ईरान ने सीरियाई राष्ट्रपति असद की सेना और सीरियाई हथियार उद्योग के साथ गहराई से घुलमिल कर यह सुनिश्चित किया कि सीरिया में उसकी भविष्य की गतिविधियां छिपी रहें।

ईरानियों की विस्तारित उपस्थिति, विशेषकर दक्षिणी सीरिया में, ने पहले ही इज़राइल की खतरे की धारणा को प्रभावित कर दिया है। परिणामस्वरूप, ईरान से संबद्ध ठिकानों पर इज़रायल के हमले बढ़ रहे हैं। इज़राइल एक आक्रामक बचाव की रणनीति पे चल रहा है, जो सीरिया में अपने पड़ोस से ईरानी खतरे को दूर रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे सीरिया में ईरान और इज़राइल के बीच एक नया तनाव चक्र शुरू हो सकता है, जिसका पूरे क्षेत्र पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। सीरियाई शासन को यह समझना चाहिए कि अगर सीरिया में तेल अवीव और तेहरान के बीच चल रहे इस युद्ध पर काबू नहीं पाया गया। तब इज़राइल सीरियाई सरकार के उन सैन्य स्थलों पर हमले करने से नहीं हिचकिचाएगा जहां ईरानियों ने घुसपैठ की है।

ईरान की हरकतें असद शासन की जीत को ख़तरे में डाल रही हैं। जैसे-जैसे सीरिया का आंतरिक संघर्ष ख़त्म हो रहा है। सीरियाई सरकार को अपना ध्यान पुनर्निर्माण के विशाल कार्य की ओर लगाना चाहिए, और इज़राइल के साथ किसी भी युद्ध में नहीं घसीटा जाना चाहिए। लेकिन ईरान इस तरह के जोखिम उठाने के लिए आश्वस्त और तैयार दिखता है, और उसका मानना है कि उसे अपनी विनाशकारी गतिविधियों को जारी रखने के लिए दमिश्क से किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। ईरानी एक अस्थिर और संघर्षग्रस्त सीरिया चाहते हैं जिसे वे आसानी से नियंत्रित और उपयोग कर सकें। अब यह सीरियाई सरकार को तय करना है कि क्या वे एक मूक दर्शक बने रहना चाहते हैं और ईरान को अपने देश को एक और संघर्ष में घसीटने देना चाहते हैं या हस्तक्षेप करके कमान संभालना चाहते हैं।

आज का इतिहास

1975 बिहार के समस्तीपुर में जिले में एक बम विस्फोट में रेल मंत्री ललित नारायण मिश्रा घायल हुए।

1975 हिरासत में बांग्लादेश के क्रांतिकारी नेता सिराज सिक्कर को पुलिस ने जान से मार दिया।

1976 जनवरी 1976 का गेल शुरू हुआ, जिसके परिणामस्वरूप दक्षिणी उत्तरी समुद्र तटों के आसपास तटीय बाढ़ आ गई, जिससे कम से कम 82 मौतें हुईं और 1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ।

1980 ब्रिटिश स्टील कॉर्पोरेशन प्लांट में काम करने वाले कर्मचारियों ने पचास साल में पहली हार राष्ट्रीय स्तर पर हड़ताल की थी।

1981 अंग्रेजी सीरियल किलर पीटर सुटक्लिफ, %यॉर्कशायर रिपर% को शेफ़ील्ड में गिरफ्तार किया गया था, जो ब्रिटिश इतिहास की सबसे बड़ी पुलिस जांच में से एक थी।

1989 प्रधान मंत्री रानीसिंह प्रेमदासा ने श्रीलंका के तीसरे राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण किया।

1989 लोकप्रिय नाट्यकर्मी सफदर हाशमी को एक नाटक के दौरान असामाजिक तत्वों ने इतनी बेहरमी से पीटा कि उनकी मौत हो गई।

1994 द अबे लिंकोल्न इन ह्लीओंस 40 प्रदर्शनों को पूरा करने के बाद ब्यूमोंट न्यूयॉर्क शहर में बंद कर दिया गया।

1995 हवाई में वैज्ञानिकों ने केक टेलिस्कोप का उपयोग करके सबसे दूर की आकाशगंगा को पाया।

1997 हॉवर्ड स्टर्न रेडियो कोलंबस में प्रीमियर दिखाता है। ओहियो ङ्क्षक्चङ्ग 99.7 स्न्रूपर है।

1998 नाइजर के प्रधान मंत्री हामा अमादाउ को राष्ट्रपति इब्राहीम बारेमआनससेरा की हत्या के षड्यंत्र के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

2004 स्टारडस्ट अंतरिक्ष जांच ने धूमकेतु वाइल्ड 2 से उड़ान भरी और इसके कोमा से कण के नमूने एकत्र किए, जो बाद में पृथ्वी पर वापस आ गए थे।

2008 सैन फ्रांसिस्को में रहने वाली समन हसनैन वर्ष 2002 की मिसेज पाकिस्तान वर्ल्ड चुनी गईं।

2008 पहली बार, तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई।

2010 28 वर्षीय सोमाली पुरुष को ज्योलैंड्स-पोस्टेन मुहम्मद कार्टूनिस्ट कर्ट वेस्टरगार्ड के घर में घुसने के लिए गोली मार दी गई थी और उनके परिवार को कुल्हाड़ी से मारने की धमकी दी गई थी।

2011 स्पेन ने अपने नागरिकों और विदेशियों के लिए धूम्रपान विरोधी कानून बनाए।

नीतीश क्या छोड़ देंगे लालू का भी साथ ?

अनिल तिवारी

ललन सिंह को जदयू के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के लिए बाध्य कर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर यह साबित किया है कि पार्टी पर केवल और केवल उन्हीं का नियंत्रण है। अब जबकि नीतीश कुमार ने ललन सिंह से पीछा छुड़ा लिया है तब राजनीतिक क्षेत्र में तेजी से खुसर-फुसर हो रही है कि बिहार के मुख्यमंत्री को अगर कोई सम्मानजनक रास्ता मिले तो वह लोकसभा चुनाव के पहले लालू यादव का भी दामन झटक सकते हैं।

लालू प्रसाद यादव ने बहुत पहले लोकसभा में नीतीश पर बात करते हुए कहा था कि नीतीश कुमार के पेट में दांत है। वहीं इन दिनों बिहार के गांव गली की खाक छान रहे चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कभी कहा था कि नीतीश कुमार जब भी कोई दरवाजा बंद करते हैं तो खिड़की खुली रखते हैं। समझा जाता है कि पार्टी को अपने कब्जे में रखने के साथ-साथ नीतीश कुमार की नजर राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी भूमिका और उसके लिए चुनाव में आधिकाधिक सीटें हासिल करने पर लगी है।

पूर्व के चुनाव परिणाम बताते हैं कि नीतीश कुमार जब-जब भाजपा (पिछला चुनाव छोड़कर) के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़े तब तब उन्हें अपेक्षाकृत अधिक लाभ प्राप्त हुआ है। मालूम हो कि केंद्र में फिर से सत्ता में आने के लिए बेचैन बीजेपी को भी बिहार में बड़ी जरूरत है। इंडिया शाइनिंग की हनक में वर्ष 2004 में बीजेपी ने मौका गंवा दिया था इसलिए 2024 में पार्टी बिल्कुल सुरक्षित खेल खेलना चाहती है। बीजेपी को लगता है कि नीतीश कुमार उसके मददगार बन सकते हैं। बिहार की जातीय राजनीति के जोड़ घटाव भी इसे पुख्ता करते हैं।

मौजूदा समय में ललन सिंह को किनारे किए जाने की कथा में कई अंतर कथा भी कही सुनी जा रही है। मसलन ललन सिंह लालू यादव से मिलकर नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाना चाहते थे। ललन सिंह तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाकर खुद राज्यसभा की सीट पाना चाहते थे, आदि आदि। लेकिन नीतीश की राजनीति को नजदीक से जानने वाले सूत्रों की मानें तो विधानसभा चुनाव में सीटें घटने के बाद से ही नीतीश कुमार की नजर अपना जनाधार बढ़ाने पर है। इसीलिए पार्टी पर दबदबे को कायम रखते हुए आगामी चुनाव में खुलकर खेलने तथा जदयू को मुख्य भूमिका में लाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। नीतीश कुमार पहले भी

कई बार यह साबित कर चुके हैं कि पार्टी पर उनका नियंत्रण है। मई 2014 में जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाना और फिर फरवरी 2015 में उन्हें गद्दी से उतार देना इसका एक सटीक उदाहरण है। इसके अलावा जिस प्रशांत किशोर को राज्य के चुनाव में पार्टी की जीत का श्रेय दिया जाता है उन्हें 2020 में पार्टी से दूध में से मक्खी की तरह बाहर निकाल कर भी नीतीश कुमार ने जदयू के भीतर अपनी ताकत का एहसास करवा दिया था। इसी तरह चाहे उपेंद्र कुशवाहा की बात हो अथवा कभी पार्टी के नाक कान रहे आरसीपी सिंह की, हर बार नीतीश कुमार ने खुद के निर्णय को सर्वोपरि रखा।

चुनावी लाभ हानि के नजरिया से देखें तो नीतीश कुमार नवंबर 2005 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद दूसरी बार बिहार के मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने यह चुनाव बीजेपी के साथ मिलकर लड़ा था। उस चुनाव में जदयू को राज्य में सबसे ज्यादा 88 सीट मिली थी और बीजेपी 55 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। राजद 54 सीटों के साथ तीसरे नंबर पर रही थी। इस चुनाव में जदयू को 20.46 प्रतिशत वोट मिला, बीजेपी को 15.65 प्रतिशत, जबकि तीसरे नंबर पर रही राजद को 23.45 प्रतिशत वोट हासिल हुए थे। 2010 में नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के हिस्से 115 सीटें आई थी। गठबंधन में उनकी साथी बीजेपी को 91 सीट मिली थी। लालू यादव की पार्टी को 22 विधानसभा सीटों पर ही संतोष करना पड़ा था। इस चुनाव में जदयू को 22.58 प्रतिशत, बीजेपी को 16.49 प्रतिशत और राजद को 18.84त्न वोट हासिल हुआ था। वर्ष 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार ने राजद के साथ मिलकर चुनाव लड़ा। इस चुनाव में नीतीश कुमार की 44 सीटें कम हो गई। उनकी पार्टी को 71 सीटों पर जीत हासिल हुई जबकि लालू यादव की पार्टी 58 सीट ज्यादा जीती। यानी राजद को 80 सीटों पर जीत मिली। बीजेपी को पिछले चुनाव के मुकाबले इस चुनाव में 38 सीटों का नुकसान हुआ। भाजपा 53 सीट ही जीत सकी। इस चुनाव में बीजेपी को 7.94% वोट ज्यादा हासिल हुआ और उसका वोट शेयर 24.4% रहा। राजद को 18.4त्न और जदयू को 16.4% वोट हासिल हुआ।

वर्ष 2020 में नीतीश कुमार बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़े। बीजेपी को इस चुनाव में 74 सीटों पर जीत मिली और जदयू को सिर्फ 43 सीट हासिल हुई, जबकि राजद 75 सीटों के साथ राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। इस चुनाव में राजद को 23.11% वोट मिला। बीजेपी और जदयू को क्रमशः 19.46 प्रतिशत और 15.39 प्रतिशत वोट हासिल हुआ।

इसी तरह अगर लोकसभा चुनाव का आंकड़ा देखें तो 2009 में नीतीश के नेतृत्व में एनडीए ने बिहार में कमाल का प्रदर्शन किया था। वर्ष 2009 में एनडीए ने देश के अन्य राज्यों में कोई खास प्रदर्शन नहीं किया लेकिन बिहार में जदयू को 20 और बीजेपी को 12 सीट हासिल हुई थी। यहां राजद सिर्फ चार सीटों पर ही जीत सकी थी। इसके बाद मोदी युग के आगमन के साथ ही बिहार में नीतीश का जादू धीरे-धीरे कम होने लगा। नीतीश 2014 में अकेले चुनाव लड़े और सिर्फ चार सीट जीत सके, जबकि भाजपा ने 22 सीटें जीत ली। राजद केवल चार सीट हासिल करने में कामयाब हुआ। 2019 के पहले नीतीश एक बार फिर बीजेपी के साथ आ चुके थे उन्हें लोकसभा में 16 सीटों पर जीत हासिल हुई थी भाजपा 17 सीट जीतने में सफल रही, जबकि राजद अपना खाता भी न खोल सका। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार की पार्टी ने बेहद निराशाजनक प्रदर्शन किया। उनकी पार्टी सिर्फ 45 सीट ही हासिल पाई। हालांकि कम सीट होने के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया। स्थानीय नेताओं के आए दिन बड़ा भाई, छोटा भाई जैसे जुमले का दंश सहते हुए भी नीतीश कुमार कुर्सी पर बने रहे। लेकिन लगे हाथ अवसर भी तलाशते रहे। इंडिया गठबंधन के जरिए राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका की खातिर नीतीश ने पलटी मार ली तथा राजद की गोद में बैठ गए। कहते हैं एक म्यान में दो तलवार नहीं रह सकती। जल्दी ही नीतीश कुमार का भ्रम टूटने लगा। तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने की मांग जोर पकड़ने लगी। इधर इंडिया गठबंधन में शामिल दलों ने खासकर कांग्रेस पार्टी ने नीतीश कुमार को नजरअंदाज करना शुरू कर दिया। फिर क्या था नीतीश कुमार एनडीए की लाइन लेंथ पर ही राजनीति शुरू कर भविष्य का संकेत देते रहे।

सज-संवर गया अयोध्या धाम

संजय तिवारी

राम का वनवास 14 साल का था। 14 साल बाद जब वो वापस लौटे तो अयोध्या ने अपनी आभा को दोबारा पा लिया था। लेकिन रामजन्मभूमि पर मंदिर तोड़कर मस्जिद ए जन्मस्थान क्या खड़ी की गयी, पूरी अयोध्या ने ही मानों वनवास ले लिया। इतिहासकारों के अलग अलग मत हैं। किसने तोड़ा, कब तोड़ा कैसे तोड़ा लेकिन जिस बात पर सब एकमत हैं वह यह कि जन्मस्थान पर जो मंदिर था उसे तोड़कर वहां मस्जिद बनाई गयी। रामलला अपने ही जन्मस्थान से विस्थापित होकर अज्ञात स्थान पर चले गये। कुछ कहते हैं कि महाराष्ट्र के किसी मंदिर में रामलला को विराजमान कर दिया गया तो कुछ कोई और कहानी बताते हैं। जब अयोध्या में रामलला ही नहीं विराजे तो अयोध्यावासी क्या तो उत्सव मनाते और रामभक्त किसे देखने अयोध्या जाते? रामलला का यह अज्ञातवास कितना पुराना है, इसका इतिहास विवादित हो सकता है लेकिन 1949 में रामलला अपने जन्मस्थान पर दोबारा प्रकट हुए यह सरकारी रिकार्ड में दर्ज है। वह भी दिसंबर का ही महीना था जब गोरखनाथ मठ के महंत दिग्विजय नाथ की अगुवाई में अयोध्या के साधु संतों ने सरयूस्नान करके मस्जिद ए जन्मस्थान के भीतर रामलला के दर्शन किये। 28 दिसंबर 1949 की रात रामलला अपने जन्मस्थान पर पुनः प्रकट हुए और 29 दिसंबर से मस्जिद ए जन्मस्थान को प्रशासनिक रूप से घेरकर आवाजाही को नियंत्रित कर दिया गया। इस प्रशासनिक नियंत्रण ने अगले 50 साल देश की पूरी राजनीति को अनियंत्रित कर दिया। इस अनियंत्रित राजनीति ने केवल रामलला के जन्मस्थान को ही विवादित नहीं किया बल्कि पूरी अयोध्या को छावनी में बदल दिया। जैसे जैसे हिन्दू पक्ष की ओर से रामलला के जन्मस्थान की मुक्ति का प्रयास बढ़ा, वैसे वैसे सरकारी मशीनरी को अयोध्या को पुलिस छावनी बनाने का मौका मिलता गया। 6 दिसंबर 1992 को रामलला जन्मस्थान से विवादित मस्जिद का अस्तित्व तो समाप्त हो गया लेकिन उसके बाद भी अयोध्या की उपेक्षा और राजनीतिक तिरस्कार जारी रहा। यह तब दूर हुआ जब महंत दिग्विजय नाथ के ही तीसरी पीढी के उत्तराधिकारी योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बन गये। वो मुख्यमंत्री बने मार्च 2017 में और उनके एजंडे में सबसे ऊपर मानो अयोध्या धाम ही था। मानों ईश्वरीय विधान के तहत वो इसी काम के लिए चुने गये हों। उस समय तक अपनी ही जन्मभूमि के लिए रामलला का मुकदमा सुप्रीम कोर्ट में लंबित था लेकिन योगी ने अयोध्या का वनवास खत्म करने के लिए फैसला आने का इंतजार नहीं किया। उसी साल 51 हजार दियों को जलाकर सरयू तट पर दीपोत्सव की शुरुआत कर दी गयी। दियों की यह जगमगाहट अयोध्या जी में सदियों बाद लौटी थी। भक्त विहीन अयोध्या जी के मंदिर दशकों में अपनी चमक खो चुके थे। पहली बार 2017 में दशकों बाद उन मंदिरों के शिखर पर चूने की पुताई हुई जिनकी दशा देखकर भक्तों को रुलाई आती थी। सुरक्षा बलों के बूट से उड़नेवाली धूल से धूसरित अयोध्यावासियों के चेहरों पर मुस्कान लौटी और उन्हें लगा कि अब वो भी उत्सव मना सकते हैं। लेकिन पीड़ा इस बात की थी कि स्वयं रामलला टेन्ट में विराजे और अयोध्यावासी उनके नाम पर खुशियां मनायें तो मन की कसक जाती नहीं। यह कसक 9 नवंबर 2019 को दूर कर दी सुप्रीम कोर्ट ने। कोर्ट ने संवैधानिक पीठ के तहत सुनवाई करते हुए रामलला विराजमान को उनके जन्मस्थान की 2.77 एकड़ जमीन सौंप दी। रामलला विराजमान मुकदमा जीत गये। उनकी यह जीत पूरे देश के लिए खुशी बनकर आयी लेकिन अयोध्या जी के लिए दोहरी खुशी बन गयी। एक तो रामलला विराजमान को उनके जन्मस्थान मिलने की खुशी और दूसरे उसके अपने वनवास के खत्म होने की प्रसन्नता। उसके बाद एक ओर रामलला मंदिर का निर्माण शुरु हुआ तो दूसरी ओर अयोध्या के पुनर्विकास का खाका खींचा गया। रामलला मंदिर का निर्माण सरकार को नहीं करना था लेकिन अयोध्या जी को सजाने संवारने का जिम्मा योगी सरकार ने अपने ऊपर ले लिया। शुरुआत हुई नाम को ठीक करने से। फैजाबाद जिले का नाम बदलकर अयोध्या जिला कर दिया गया और फैजाबाद कमिश्नरी भी अयोध्या के नाम से जानी जाने लगी।

छह देशों में चुनाव होंगे डीपफेक की बारिश होगी

गुलाम अहमद

डीपफेक 2024 में बड़ी समस्या बनने वाला है। दरअसल डीपफेक तैयार करने के लिए जिस तकनीक की जरूरत पड़ती है, वह आज न सिर्फ पहले की तुलना में आसानी से उपलब्ध है, बल्कि कम लागत या कीमत में भी उपलब्ध है। इसके लिए जेनरेटिव एआई या कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल किया जाता है। जेनरेटिव एआई के जरिये किसी भी शैली और किसी भी भाषा में ई-मेल लिखे जा सकते हैं। ऐसे में, इसकी कोई गारंटी नहीं कि सीएफओ की तरफ से आए ई-मेल वाकई उन्होंने ही लिखे हैं। ऐसे में, आश्चर्य नहीं कि सिलिकॉन वैली के अनेक लोग बगैर विराम चिह्नों के पोस्ट लिख रहे हैं-यही एक तरीका है, जिससे पता चल सकता है कि इसमें एआई की मदद नहीं ली गई है। लिखित सामग्री को जांचने का खतरा तो है ही, लेकिन 2024 में असली खतरा आवाज और वीडियो से होगा। इलेवनलैब्स जैसी वॉयस क्लोनिंग सर्विसेज इतनी पेशेवर हैं कि वे हू-ब-हू आवाजों की क्लोनिंग कर लेती हैं। आवाज को जांचने की तकनीक जल्दी ही बेकाम की हो जाएगी। वॉयस मेल विश्वसनीय नहीं है। मैंने अपनी आवाज की क्लोनिंग करा ली है, लिहाजा जो भी पाठ मैं चुनूंगा, वह मेरी ही आवाज में बोलेगा। लेकिन इसका भी एक खतरा है-गलत हाथों में चले जाने पर वह आवाज मेरे स्वर में न जाने क्या-क्या बक डालेगी। इस लिहाज से ऑडियो पर तो ध्यान रखना ही होगा, लेकिन वीडियो ज्यादा महत्वपूर्ण साबित होने जा रहे हैं। वीडियो में दिख रहे व्यक्ति को उसकी ही आवाज में सुने जाने पर भ्रम पैदा होगा। जो उसने नहीं कहा, वीडियो में उसे भी कहते देखा जाएगा। जो उसने नहीं किया, वीडियो में वह करते भी उसे देखा जाएगा। ऐसे में, जाहिर है, पसोपेश, असमंजस और भ्रम की स्थिति पैदा होगी। इससे कॉरपोरेट जासूसी और भयादोहन को बल मिलेगा। वर्ष 2024 में दुनिया की आधी से अधिक आबादी चुनावों में हिस्सा लेगी। अमेरिका के अलावा भारत, इंडोनेशिया, मेक्सिको, रूस और ब्रिटेन सहित कई देशों में चुनाव होंगे। मेरा मानना है कि इनमें से हर चुनाव में डीपफेक वीडियो बड़ी भूमिका निभाएंगे। मतदाताओं में व्याप्त भ्रम का असर चुनावी नतीजों पर भी पड़ सकता है। यूक्रेन और गाजा के मोर्चों पर डीपफेक वीडियोज पहले ही पहुंच चुके हैं, जिससे फैसले उन घटनाओं के आधार पर लिए जा रहे हैं, जो कभी घटी ही नहीं। चुनावी धोखाधड़ी, कॉरपोरेट ब्लैकमेलिंग, बाजारों को अपने हितों के अनुरूप चालित करने और डीपफेक के कारण साइबर सुरक्षा से जुड़े खतरे के मामले वर्ष 2024 में बढ़ेंगे। ऐसे में, यह चर्चा, चिंता और लड़ाई सतत बनी रहेगी कि कोई लिखित सामग्री, कोई तस्वीर, कोई ऑडियो क्लिप या कोई वीडियो असली है या फर्जी।

2023 की घटनाओं का दिखेगा 2024 में असर

अभय कुमार दुबे

2023 के आखिरी दिनों में यह प्रश्न हवा में लटका रहा कि क्या विपक्ष इस बार अपनी एकता का सूचकांक किसी हद तक दिखा पाएगा? विपक्ष जानता है कि कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, बिहार और महाराष्ट्र की कुल मिला कर 158 सीटों पर एनडीए अपनी जीत के प्रति बहुत आश्वस्त नहीं है। अगर विपक्ष प्रभावी रणनीति बना कर इन चार राज्यों में भाजपा को और घटा सके तो वह 2024 को 2019 बनने से रोक सकता है. लेकिन क्या वह ऐसा कर पाएगा?

विपक्षी एकता की संभावनाओं को कमजोर करने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी ने एक मनोवैज्ञानिक युद्ध भी छेड़ा हुआ है। इस रणनीति को परवान उस समय चढ़ाया गया जब नीतीश कुमार ने विधानसभा में स्त्री-संबंधी एक ऐसा वक्तव्य दिया, जिसकी उनसे उम्मीद नहीं थी. इसके तुरंत बात एक दोहरा हमला शुरू हो गया। एक तरफ तो यह बार-बार कहा गया कि मुख्यमंत्री का दिमागी संतुलन बिगड़ गया है और उनका स्वास्थ्य लालू यादव का परिवार एक खुफिया दवा देकर खराब कर रहा है ताकि तेजस्वी यादव को जल्दी से जल्दी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आसीन किया जा सके।

दूसरी तरफ यह कहा गया कि नीतीश इंडिया गठबंधन में अपनी उपेक्षा से नाराज हैं और इसीलिए वे एक बार फिर पलटी मार कर एनडीए में जाने वाले हैं. पहली नजर में ही ये दोनों बातें विरोधाभासी लग सकती हैं। अगर नीतीश को दिमागी रूप से कमजोर कर दिया गया है तो फिर वे पलटी मारने जैसी नियोजित कार्रवाई को कैसे अंजाम दे सकते हैं। मनोवैज्ञानिक युद्ध का एक दूसरा प्रकरण भी काबिले गौर है। एक नैरेटिव यह चलाया जा रहा है कि कांग्रेस दो गुटों में विभक्त हो गई

है। एक गुट राहुल गांधी का है, और दूसरा प्रियंका गांधी का। दोनों में जंग छिड़ी हुई है। छिटपुट घटनाओं को जोड़जाड़ कर इस गुटबाजी का खाका खींचा जा रहा है। खास बात यह है कि विपक्ष की एकता के कई तरफदार भी इस नैरेटिव में फंसते दिखाई पड़ रहे हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह मनोवैज्ञानिक युद्ध कितना प्रभावी है। इसी साल देश के संसदीय विपक्ष ने अपनी एकता के लिए एक राष्ट्रीय मोर्चा बनाया। इसका नाम इंडिया रखा गया। इससे भाजपा के हलकों में कुछ बेचैनी पैदा हुई। दरअसल, इंडिया गठबंधन का बनना पिछले दस वर्षों में हुई एक बेहद अहम घटना है। इससे राजनीति का मौजूदा पैटर्न बदल सकता है. 2014 में कांग्रेस सत्तारूढ़ दल थी और भाजपा विपक्ष में रहकर मोदी के नेतृत्व में उसे चुनौती दे रही थी। विपक्ष की किसी एकता की गुंजाइश ही नहीं थी। 2019 में जब कांग्रेस ने देखा कि उसने कर्नाटक, छत्तीसगढ़, म.प्र. और राजस्थान में भाजपा को सरकार बनाने से रोक दिया है, तो उसे लगा कि वह अकेले ही मोदी को हरा सकती है। इस मुगालते के कारण विपक्षी एकता की कोशिश ही नहीं की गई। हालांकि इंडिया गठबंधन सीटों का तालमेल करने में काफी देर कर रहा है, फिर भी अगर मध्य जनवरी तक वह कुछ तालमेल कर पाया तो वह भाजपा की योजनाओं को कुछ परेशान कर सकता है। साल की तीसरी बड़ी घटना अयोध्या उत्सव की तैयारी और उसका प्रचार है। 22 जनवरी को प्रधानमंत्री रामलला के मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा करेंगे। भाजपा को लगता है कि चुनाव से ठीक पहले होने वाले इस समारोह का लाभ उसे वोटों की बढ़ोत्तरी के रूप में मिलेगा।

पश्चिम बंगाल के मैदान में क्या है भाजपा का भगवा प्लान?

समीर चौगांवकर

टीवी चैनलों पर 3 दिसंबर को जब मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के परिणाम आना शुरू हो रहे थे, उस समय गृह मंत्री और भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह अपने आवास पर पश्चिम बंगाल के भाजपा नेताओं के साथ बंगाल की लोकसभा सीटों की रणनीति बना रहे थे। अमित शाह को इस बात की जरा भी चिंता नहीं थी कि इन पांच राज्यों के परिणाम क्या होंगे। उनका पूरा ध्यान पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को घेरने की रणनीति बनाने पर था।

शाम को पांच राज्यों की जीत पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करने भाजपा मुख्यालय पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने अमित शाह से हसंकर पूछा आगे क्या प्लान है? शाह ने भी मुस्कराकर जवाब दिया बंगाल का प्लान है। इसी बंगाल प्लान की रणनीति बनाने और गति देने के लिए अमित शाह और जेपी नड्डा 26 दिसंबर को बंगाल के दौर पर थे।

बंगाल में पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए अमित शाह ने साफ कहा कि लोकसभा चुनाव में बंगाल से 35 सीटों से कम कुछ भी मंजूर नहीं। हमे हर हाल में 35 सीटें जीतना है और ममता बनर्जी को सबक सिखाना है। अमित शाह ने साफ कहा कि तृणमूल कांग्रेस, कम्युनिस्ट और कांग्रेस मिलकर भी मोदी को बंगाल में 35 सीटें जीतने से नहीं रोक सकते।

अमित शाह ने लोकसभा चुनाव को देखते हुए बंगाल में चुनाव प्रबंधन समिति का गठन किया है। इस समिति में अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नड्डा, बंगाल प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, दिलीप घोष, सुभेंदु अधिकारी, राहुल सिन्हा, अभिताभ चक्रवर्ती, सतीश ढाढ़, मंगल पांडे, आशा लाकड़ा शामिल होंगे। अमित शाह ने कलकत्ता में भाजपा संगठन के पदाधिकारियों से कहा कि बंगाल बदलाव के लिए आकुल है। ममता के मुस्लिम तुष्टिकरण का जमकर जवाब देना होगा। गौरतलब है कि 2023 के मार्च में हावड़ा और हुगली जिलों में रामनवमी समारोह के दौरान हिंसा के बाद भाजपा ने ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ आंदोलन चलाया था और हिन्दुओं की भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया था।

ममता बनर्जी उसके बाद से लगातार भाजपा पर सांप्रदायिक हिंसा फैलाने का आरोप लगा रही हैं। भाजपा जानती है कि ममता किसी भी स्थिति में बंगाल की 27.5 प्रतिशत मुस्लिम आबादी को कांग्रेस और वामपंथियों के पास वापस नहीं जाने देना चाहतीं और अपने मुस्लिम वोट के लिए किसी भीहद तक जा सकती हैं। अमित शाह ने अपने बंगाल दौर पर साफ कहा कि सीएए किसी भी हालत में लागू होगा, वहीं ममता भी कह रही हैं कि बंगाल में वह एनआरसी लागू नहीं होने देंगी।

भाजपा बंगाल के 13 मुस्लिम बाहुल निर्वाचन क्षेत्र में मोदी मित्र अभियान और मुस्लिम स्नेह सम्मेलन 5 जनवरी से शुरू करने जा रही है। इसके साथ ही 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद लोकसभा चुनाव तक बंगाल के 2 करोड़ हिन्दुओं को अयोध्या दर्शन कराने की रणनीति पर भी काम कर रही है। भाजपा हर घर राम योजना के तहत बंगाल के हर हिन्दू परिवार के यहां राम की मूर्ति और राम मंदिर का प्रसाद पहुंचाने की तैयारी में है। भाजपा का एजेण्डा साफ है बंगाल में वोटों का ध्रुवीकरण ही ममता को हराने का एकमात्र रास्ता है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के बाद होने वाले मोदीमय और राममय माहौल से बंगाल को बचाना चाहती हैं। ममता

की कोशिश किसी भी स्थिति मे वोटों का ध्रुवीकरण रोकना है। अमित शाह बंगाल में बोल रहे है कि ममता सिर्फ मुसलमानों की है। ममता इस टैग से उबरने की भरसक कोशिश कर रही हैं लेकिन अमित शाह ममता पर मुसलमानों के तुष्टिकरण की राजनीति करने का लेबल लगाना चाहते हैं।

पिछले कुछ चुनावों का डाटा बताता है कि बंगाल में मुसलमान ममता के पीछे एकजुट खड़ा है। 2016 के विधानसभा चुनाव में जब बंगाल में भाजपा कोई फैक्टर नहीं थी, उस समय भी टीएमसी को कुल मुस्लिम वोटों का 51 फीसदी मत हासिल हुआ था। वहीं 2019 के लोकसभा और 2021 के विधानसभा चुनाव में हिन्दुत्व का झंडा बुलंद करने वाली मजबूत और आक्रामक भाजपा के साथ मुकाबला होने पर टीएमसी को क्रमशः 70 और 75 प्रतिशत मुसलमान वोट मिले थे। मुसलमानों का वोट रिकार्ड यह बताता है कि मुस्लिम अल्पसंख्यक उस पार्टी की ओर जाते हैं जो भाजपा के राष्ट्रवाद के खिलाफ खड़ा नजर आता है। ममता बंगाल में इसकी गारंटी देने में कामयाब रही हैं।

मुस्लिम वोटों पर एकछत्र राज के बाद भी ममता को 61 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले मुर्शिदाबाद जिले की सागरदीघी सीट पर हुए उपचुनाव में टीएमसी की हार और वाम समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी की जीत के बाद मुस्लिम वोट बैंक कांग्रेस की और खिसकने के डर ने और कर्नाटक, तेलंगाना में कांग्रेस को मिले मुस्लिम वोट ने ममता को थोड़ा बैकफुट पर किया है।

यही कारण है कि ममता 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और वामपंथियों को साथ लेकर लड़ने पर सहमत हो गई है। पश्चिम बंगाल के 2021 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 2.93 प्रतिशत और सीपीएम को 4.73 प्रतिशत वोट मिले थे। ममता इन दोनों के मिलाकर 7 प्रतिशत वोट बैक को अपने खिलाफ इस्तेमाल होने नहीं देना चाहती इसलिए कांग्रेस और लेफ्ट को साथ लेकर लड़ने पर मन बना रही है। ममता का डर बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार के उस बयान में भी झलकता है जिसमें कहा गया था बंगाल के मुसलमानों को कांग्रेस से टूटकर बनी तृणमूल कांग्रेस के अलावा असली कांग्रेस पर भी विचार करना चाहिए।

इस बार भाजपा की कोशिश ममता को मिले 22 फीसदी हिन्दू मतों मे से पांच प्रतिशत हिस्सा अपनी ओर डायवर्ट करने की है। इसलिए भाजपा लगातार ममता को मुस्लिम चेहरे के रूप में बताने की कोशिश कर रही है। ममता को इस बात का भी डर सता रहा है कि मोदी सरकार द्वार अल्पसंख्यकों के लिए किए कामों को देखते हुए बंगाल के राष्ट्रवादी और प्रोग्रेसिव मुसलमान 2024 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद बंगाल विधानसभा चुनाव में कहीं भाजपा को वोट न कर दें।

इसलिए ममता मुसलमानों को साधने के साथ साथ हिन्दुत्व की शरण भी ले रही हैं। हालांकि उन्होंने साफ कर दिया है कि वह अयोध्या नहीं जाएगी। लेकिन अपने प्रदेश में मंदिरों का निर्माण जारी रखेगी। उनकी कोशिश है कि लोकसभा चुनाव से पहले 500 करोड़ की लागत से बने जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन वो स्वयं करें। ममता के चंडी श्लोक का जाप करने और खुद को कट्टर ब्राह्मण पृष्ठभूमि का बताने से लेकर बंगाल में जगन्नाथ और वैष्णों देवी मंदिरों की प्रतिकृतियां बनाने और हुगली के किनारे वाराणसी की गंगा आरती के आयोजन के फैसलों तक तृणमूल हिंदुओं को रिझाने की अपनी बेताब कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

भाजपा अपने बलशाली हिंदुत्व के दम पर बंगाल में ताकत जुटाने पर जुटी है, वहीं टीएमसी इसका मुकाबला करने के लिए बंगाल की महान उदार, पंथनिरपेक्ष और सुधारवादी परंपरा को गले लगाकर भाजपा को जवाब देना चाहती है। ममता ने 2019 में हिंदू पुरोहितों को मासिक भत्ता देने का वादा किया और अब इसे पूरा भी कर दिया है। पहली बार ममता ने मुसलमानों से यह अपील भी की है कि दूसरों की भावनाओं का ख्याल रखते हुए खुलेआम गायों का वध न करें।

2024 के आम चुनाव ज्यों-ज्यों नजदीक आ रहे हैं, भाजपा ने खेल को और ऊंचा उठा दिया है। भाजपा का मंसूबा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद राज्य भर में रथ निकालने का भी है। भाजपा ने तय किया है कि ममता के राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा में शामिल न होने के निर्णय को वह राज्यभर में मुद्दा बनाएगी।

इससे इतना तो साफ हो गया है कि कम्युनिस्ट सेकुलर राजनीति का गढ़ कहे जानेवाले पश्चिम बंगाल में अब हिन्दुत्व मुद्दा बनता जा रहा है। अपनी मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति के लिए चर्चित ममता बनर्जी भी अब हिन्दू विरोधी नहीं दिखना चाहतीं। 70-30 के धार्मिक विभाजन वाले बंगाल में अगर 50 प्रतिशत हिन्दू भी हिन्दुत्व के नाम पर वोट करना शुरु कर देते हैं तो यह बंगाल में बड़ा राजनीतिक परिवर्तन होगा।

शुभ दिन से हो रही है नए साल की शुरुआत महादेव की कृपा पाने के लिए कर लें ये काम

इस बार नए साल की शुरुआत बेहद ही शुभ संयोग में हो रही है। दरअसल इस बार नए साल के पहले दिन यानी 01 जनवरी को सोमवार है। सोमवार का दिन भगवान भोलेनाथ का दिन माना जाता है, इसलिए नए साल की शुरुआत को बहुत ही शुभ माना जा रहा है। ऐसे में यदि आप अपने नए साल को बेहतर बनाना चाहते हैं साल की शुरुआत में कुछ उपाय जरूर करें। ज्योतिष के जानकारों के अनुसार नए साल के पहले दिन कुछ उपाय करने से शिव जी प्रसन्न होंगे और पूरे वर्ष आप पर महादेव की कृपा बनी रहेगी। ऐसे में चलिए जानते हैं

जलाभिषेक

भगवान भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होने वाले देवता हैं। ये मात्र एक लोटा जल से प्रसन्न हो जाते हैं। ऐसे में साल के पहले दिन यानी 01 जनवरी 2024 को सुबह स्नान करें और किसी शिव मंदिर जाकर या घर पर ही शिवलिंग का जलाभिषेक करें। इससे शिव जी प्रसन्न होंगे और वर्षभर आप पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखेंगे।

बेलपत्र चढ़ाएं

बेलपत्र शिव जी को बहुत प्रिय है। ऐसे में भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए साल के पहले दिन बेलपत्र जरूर चढ़ाएं। इससे शिव जी प्रसन्न होंगे और आपकी सभी मनोकामनाओं को पूरा करेंगे।

सफेद वस्त्र

शिव जी को सफेद रंग अति प्रिय है। ऐसे में शिव का आशीर्वाद पाने के लिए साल के पहले दिन स्नानादि के बाद सफेद रंग या उससे मिलते जुलते रंग के वस्त्र पहनें। साथ ही माथे पर चंदन का तिलक लगाएं।

दान

यदि संभव हो तो अपने सामर्थ्य के अनुसार साल के पहले दिन दही, सफेद वस्त्र, दूध और शक्कर का दान करें। इन चीजों के दान से भोलेनाथ अपने भक्तों से प्रसन्न हो जाते हैं।

लगाएं इन चीजों का भोग

भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए किसी विशेष मिठाई की जरूरत नहीं है। शिव जी मात्र धतूरा और बिल्व पत्र से ही प्रसन्न हो जाते हैं। हालांकि आप चाहें तो इस दिन शिव जी को घी, शक्कर, गेंहू का आटे से बने प्रसाद का भोग लगा सकते हैं।

जीवन चक्र के बंधन से मुक्ति का मार्ग है एकादशी का व्रत

जानिए कब और कैसे हुई इसकी शुरूआत

एकादशी का व्रत बेहद पुण्यदायी माना जाता है। मान्यता के अनुसार, एकादशी का व्रत आपको जन्म-मरण के बंधन से मुक्त करता है। पूरे साल में कुल 24 एकादशी के व्रत पड़ते हैं। हर महीने की शुक्ल पक्ष में एकादशी व्रत और कृष्ण पक्ष में एक एकादशी पड़ती है। इन सभी एकादशियों के नाम और महत्व भी अलग-अलग होते हैं। आमतौर पर एकादशी का व्रत करने वाले लोग शुक्ल पक्ष की एकादशी से व्रत शुरू करते हैं। वहीं ज्योतिष की मानें तो इस व्रत की शुरूआत उत्पन्ना एकादशी से करनी चाहिए। मार्गशीर्ष महीने में उत्पन्ना एकादशी पड़ती है। वहीं इसे पहली एकादशी मानी जाती है। ऐसे में अगर आप भी एकादशी का व्रत शुरू करना चाहते हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि एकादशी व्रत की शुरूआत कैसे हुई थी, इसे कैसे रखा जाता है और कब से इस व्रत की शुरूआत करनी चाहिए।

एकादशी व्रत की शुरुआत

आपको बता दें कि एकादशी व्रत को लेकर एक कथा काफी ज्यादा प्रचलित है। कथा के मुताबिक एक बार भगवान श्रीहरि विष्णु और मुर नामक असुर का लंबे समय तक युद्ध चला। जब भगवान विष्णु असुर से युद्ध करते-करते थक गए, तो वह बद्रीकाश्रम गुफा में जाकर आराम करने लगे। तभी मुर असुर भगवान विष्णु को खोजते हुए उस गुफा में पहुंच गया। उस दौरान भगवान श्रीहरि निद्री में लीन थे, तो असुर ने उन्हें निद्रा में ही मारने का प्रयास किया। तब भगवान श्रीहरि के शरीर से एक देवी का जन्म हुआ। उन देवी ने मुर नामक असुर का वध कर दिया। देवी के इस कार्य से प्रसन्न होकर श्रीहरि ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए कहा कि मार्गशीर्ष माह की एकादशी के दिन तुम्हारा जन्म हुआ है, इस कारण तुम एकादशी के नाम से जानी जाओगी। साथ ही यह तिथि आपको समर्पित होगी। श्रीहरि ने कहा मार्गशीर्ष माह की एकादशी को जो व्यक्ति मेरी विधि-विधान से पूजन और व्रत करेगा। उसके सभी पाप नष्ट हो जाएंगे और मृत्यु के बाद सद्गति प्राप्त होगी। देवी एकादशी भगवान श्रीहरि विष्णु की माया के प्रभाव से जन्मी थीं, इसलिए एकादशी का व्रत करने वाले व्यक्ति सभी तरह की मोहमाया से मुक्त हो जाते हैं और मोक्ष की ओर अग्रसर होते हैं।

एकादशी व्रत का महत्व

भगवान श्रीकृष्ण ने द्वापर युग में पांडवों को एकादशी के व्रत का महत्व बताया था। एक बार युधिष्ठिर ने श्रीकृष्ण से कहा कि कोई ऐसा मार्ग बताएं, जो सभी दुखों और त्रिविध तापों से मुक्ति का मार्ग हो। साथ ही हजारों यज्ञों के अनुष्ठान के समान पुण्यफल प्राप्त हों और व्यक्ति को जीवन-मरण के चक्र से मुक्ति मिल जाए। तब भगवान श्रीकृष्ण ने पांडवों को एकादशी व्रत का महत्व बताया था। साथ ही इसे पूरे विधि-विधान से करने की सलाह दी थी।

जानिए एकादशी व्रत के नियम

बता दें कि दशमी तिथि से शुरु होकर द्वादशी एकादशी व्रत के नियम तक चलते हैं। दशमी तिथि के सूर्यास्त के समय सात्विक भोजन कर रात में जमीन पर आसन बिछाकर सोना चाहिए। फिर सुबह जल्दी स्नान आदि कर व्रत का संकल्प लें। इसके बाद श्रीहरि विष्णु की पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना करनी चाहिए।

वहीं क्षमतानुसार फलाहार लेकर या बिना फलाहार के पूरा दिन व्रत रखें। रात में भगवान नारायण का ध्यान करें और कीर्तन आदि करें। फिर अगले दिन स्नान आदि से निवृत्त होकर ब्राह्मण को भोजन कराएं और उसे सामर्थ्य अनुसार दान दें। फिर ब्राह्मण के पैर छूकर आशीर्वाद लें। इसके बाद श्रीहरि नारायण का ध्यान करते हुए व्रत खोलें।

तिरुपति बालाजी के इन रहस्यों के आगे फेल है विज्ञान

जानिए मंदिर से जुड़े रोचक तथ्य

भारत देश में कई चमत्कारिक मंदिर हैं। वहीं तिरुपति बालाजी मंदिर भी चमत्कारिक मंदिर माना जाता है। तिरुपति तिरुमला देवस्थानम देश के फेमस और अमीर मंदिरों में एक है। यह मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में स्थित है। दुनियाभर से श्रद्धालु इस मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस मंदिर के प्रमुख देवता वेंकटेश्वर स्वामी हैं। जिन्हें भगवान श्रीहरि विष्णु का अवतार माना जाता है। इस मंदिर से जुड़ी कई मान्यताएं प्रचलित हैं। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर से जुड़ी कुछ ऐसी बातों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके बारे में अब तक लोगों को जानकारी ही नहीं हैं।

अंजान गांव की कहानी- आपको बता दें कि तिरुपति बालाजी मंदिर में देवताओं के अनुष्ठान के लिए 22 किलोमीटर दूर एक गांव से दीपक, घी, दूध, फूल घर और पत्ते आदि मंगाए जाते हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि आज तक इस छोटे से गांव को किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं देखा है।

बालाजी के बाल हैं असली- आमतौर पर आपने देखा होगा कि मंदिरों में भगवान की मूर्ति में नकली बाल लगे होते हैं। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि वेंकटेश्वर स्वामी के बाल असली हैं। भगवान के बाद चिकने, रेशमी, उलझन रहित और बिलकुल असली हैं।

मंदिर में आती है आवाज- भले ही यह बात सुनकर आपको यकीन करना मुश्किल हो, लेकिन भगवान बालाजी की मूर्ति के पीछे एक बेहद सुंदर आवाज सुनाई देती है। बताया जाता है कि अगर आप मूर्ति के पीछे कान लगाते हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है जैसे कि समुद्र की लहरें उठ रही हों।

स्वयं प्रकट हुए थे भगवान- वैसे तो कई ऐसी चीजें हैं, जिनसे भगवान की मौजूदगी दर्ज होती है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक 19वीं सधी में एक क्षेत्र के राजा ने किसी अपराध के लिए 12 लोगों को मौत की सजा दी थी। उन 12 लोगों को फांसी दे दी गई और उनके मृत शरीर को मंदिर की दीवारों पर लटका दिया गया। कहा जाता है कि तब वहां पर भगवान स्वयं प्रकट हुए थे।

यहां देख सकते हैं चढ़ाए हुए फूल- तिरुपति बाला जी के मंदिर में वेंकटेश्वर स्वामी पर चढ़ाए गए फूल मूर्ति के पीछे बह रहे झरने में बहा दिए जाते हैं। ऐसे में अगर आप इन फूलों को देखना चाहते हैं, तो आपको येरपेडु जाना होगा। बता दें कि यह स्थान मंदिर से 20 किमी दूर है।

करोड़ों में आता है दान- आपको बता दें कि तिरुपति मंदिर में दान करने वाले लोगों की कमी नहीं है। हर साल लाखों-करोड़ों रुपए मंदिर में दान आता है। जिसमें से करोड़ों रुपए विदेशी मुद्रा होती है। इस पैसे को आरबीआई बदलने के लिए टीटीडी बोर्ड की मदद करता है।

मंदिर के दीपक का रहस्य- तिरुपति बालाजी के मंदिर के गर्भगृह में मूर्ति के सामने मिट्टी के दीपक जलते हैं। बताया जाता है कि यह दीपक कभी नहीं बुझते हैं। लेकन इन दीपकों को कब और कौन जलाता है। इस बात की जानकारी किसी को नहीं है और न ही इसका कोई रिकॉर्ड है। यह आज तक रहस्य बना हुआ है।

नए साल की शुरुआत कई ग्रहों के राशि परिवर्तन और शुभ योगों से होगी

मेष

साल की शुरुआत से 30 अप्रैल 2024 तक मेष राशि में बृहस्पति रहेंगे. शनि की तीसरी दृष्टि पूरे साल रहेगी. जब तक मेष राशि में बृहस्पति का गोचर रहेगा तब तक मान सम्मान और धन की प्राप्ति होगी. कारोबार में तरक्की होगी. नौकरी करने वाले लोगों को प्रमोशन मिलेगा. लेकिन किसी ना किसी बात को लेकर टेंशन रहेगी. संघर्ष के बाद कार्यों में सफलता मिलेगी. **उपाय**- हर मंगलवार और शनिवार को सुंदरकांड का पाठ करें.

वृषभ

साल की शुरुआत में बुध और शुक्र की दृष्टि वृष राशि में रहेगी. इस समय आर्थिक स्थिति अनुकूल रहेगी. कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होंगी. मार्च और अप्रैल 2024 में धन लाभ के अवसर मिलेंगे. व्यापार में उन्नति का समय होगा. मई जून में धन लाभ के योग बनेंगे. नौकरी करने वालों की तरक्की होगी. यात्रा से लाभ का समय होगा. **उपाय**- शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी की पूजा करें और खीर का भोग लगाकर कन्याओं को प्रसाद बांटें.

मिथुन

जनवरी से फरवरी 2024 तक आय के साधन मध्यम रहेंगे. कार्यक्षेत्र में मेहनत बढ़ानी होगी. सेहत के मामले में ध्यान देना होगा. मार्च और अप्रैल के महीने में अचानक खर्चों में बढ़ोतरी होगी. परेशानियों से छुटकारा मिलेगा. सितंबर से नवंबर 2024 के बीच धन लाभ के योग बनेंगे. **उपाय**- हर बुधवार को भगवान गणेश की पूजा करें और गाय को हरा चारा खिलाएं.

कर्क

साल की शुरुआत से अप्रैल 2024 तक सावधान रहने का समय होगा. किसी ना किसी काम में व्यस्तता बनी रहेगी. खर्चों में बढ़ोतरी होगी. करीबी लोगों से मदभेद हो सकता है गुस्से में आकर फैसला करने से बचना होगा. जुलाई से सितंबर 2024 तक का समय अनुकूल होगा. रुके हुए कार्य बनेंगे. मानसिक तनाव कम होगा. जल्दबाजी में फैसला करने से बचना होगा. अक्टूबर से दिसंबर 2024 तक का समय धन लाभ के रास्ते खोलेगा. **उपाय**- भगवान शिव की पूजा करें और प्रतिदिन जल अर्पित करें. सोमवार को सफेक चीजों का दान करें.

सिंह

सिंह राशि में साल की शुरुआत से 30 अप्रैल तक बृहस्पति की 5वीं दृष्टि रहेगी. शनि की सातवीं दृष्टि पूरे साल रहेगी. शुरू के चार महीनों में भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा. रुके हुए कार्य पूरे होंगे. धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. व्यापार और नौकरी में तरक्की होगी. मई से जुलाई 2024 तक धैर्य से काम करने का समय होगा. लोगों से उलझने से बचना होगा. अगस्त से अक्टूबर 2024 का समय कार्यक्षेत्र में सफलता दिलाने वाला होगा. **उपाय**- प्रतिदिन भगवान सूर्य को जल अर्पित करें और शनिवार को सुंदरकांड का पाठ करें.

कन्या

साल 2024 की शुरुआत से अंत तक केतु का संचार कन्या राशि में रहेगा. शुरुआत के 4 महीनों में धन संबंधी फैसले सोच समझ कर लें. मानसिक तनाव रह सकता है. परिवार के लोगों से मदभेद बढ़ सकते हैं. मई से जुलाई 2024 के बीच धन लाभ के अवसर मिलेंगे. करियर के क्षेत्र में उन्नति होगी. व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे. **उपाय**- प्रतिदिन भगवान गणेश की पूजा करें. हर बुधवार को बेसन के लड्डुओं का भोग गणेश जी को लगाकर प्रसाद बांटें.

तुला

साल 2024 की शुरुआत से 30 अप्रैल तक बृहस्पति की सातवीं दृष्टि होगी. काम में आ रही रुकावटें दूर होंगी. परिवार के लोगों से मदभेद हो सकते हैं. इगो की भावना रखने से नुकसना होगा. मई से जुलाई 2024 के बीच करियर में उन्नति होगी. धन लाभ के अवसर मिलेंगे. सीनियर अधिकारियों से सहयोग प्राप्त होगा. अगस्त से अक्टूबर 2024 के बीच विदेश से शुभ समाचार मिलेंगे. अचानक इनकम बढ़ेगी. प्रॉपर्टी से संबंधित लाभ होगा. नवंबर से दिसंबर में जीवन में सुख सुविधाएं बढेंगी. **उपाय**- प्रतिदिन भगवान कृष्ण की पूजा करें और मिसरी का भोग लगाएं.

वृश्चिक

शनि की ढैय्या का प्रभाव सालभर रहेगा. जनवरी से मार्च तक धन लाभ के रास्त बनेंगे. मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी. मानसिक टेंशन बनी रहेगी. अप्रैल से जून 2024 तक मेहनत का फल प्राप्त होगा. करियर के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. आय के साधन बढ़ेंगे. प्रॉपर्टी से संबंधित लाभ होगा. जुलाई से सितंबर 2024 के बीच मध्यम समय रहेगा. **उपाय**- प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें. मंगलवार को लाल मिठाई का प्रसाद गरीबों को बांटें.

धनु

साल की शुरुआत से 30 अप्रैल 2024 तक बृहस्पति की 9वीं दृष्टि रहेगी. शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. आपका सम्मान और बढ़ेगा. धार्मिक कार्यों में मन लगेगा. मई से जुलाई 2024 के बीच मध्यम समय रहेगा. अपने काम सावधानी से करने होंगे. अहंकार में आकर फैसले करने से बचना होगा. अगस्त से अक्टूबर 2024 तक का समय सावधानी से काम करने का होगा. घर परिवार में लड़ाई झगड़े से बचना होगा. **उपाय**- गुरुवार के दिन भगवान विष्णु की पूजा करें और पीली मिठाई का दान गरीबों को करें.

मकर

शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव पूरे साल रहेगा. फरवरी और मार्च में मकर राशि में मंगल का संचार होगा. धन लाभ के अवसर मिलेंगे. सरकार से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी. काम में आ रही रुकावटें दूर होंगी. व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे. मई से जुलाई 2024 के बीच मध्यम समय रहेगा. हर काम सावधानी से करना होगा. परिवार में मदभेद बढ़ सकता है. अगस्त से अक्टूबर 2024 के बीच सावधानी से काम करना होगा. इस दौरान वाहन सावधानी से चलाएं. सेहत के प्रति सावधान रहना होगा. **उपाय**- प्रतिदिन भगवान शिव को जल अर्पित करें.

कुंभ

पूरे साल शनि की साढ़ेसाती का असर रहेगा. जनवरी से अप्रैल के बीच कार्यक्षेत्र में तरक्की होगी. आपकी योजनाएं सफल होंगी. धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. मई से जुलाई 2024 के बीच सरकार से संबंधित काम बनेंगे. नौकरी में उन्नति के अवसर मिलेंगे. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. अगस्त से अक्टूबर 2024 के बीच सेहत पर ध्यान देना होगा. हर काम सावधानी से करने का समय होगा. परिवार में कुछ उलझनें बढ़ सकती हैं. **उपाय**- हर शनिवार को सुंदरकांड का पाठ करें. काले चने औ हलवे का भोग लगाकर गरीबों को प्रसाद बांटें.

मीन

पूरे साल शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा. राहु का संचार भी मीन राशि में पूरे साल ही होगा. जनवरी से अप्रैल 2024 तक आर्थिक क्षेत्र में स्थिति बेहतर होगी. अचानक धन लाभ के अवसर मिलेंगे. कामकाज को लेकर व्यस्तता बनी रहेगी. करीबी लोगों से मतभेद भी हो सकता है. क्रोध में आकर फैसला करने से बचना होगा. मई से जुलाई 2024 के बीच प्रॉपर्टी से संबंधित लाभ होगा. परिवार से जुड़े कार्य बनेंगे. व्यापार में फैसले सोच समझ कर करना होगा. अगस्त से अक्टूबक 2024 के बीच धन संबंधी फैसले सोच समझकर करें. सेहत के मामले में ध्यान देना होगा. करियर के मामले में जल्दबादी में फैसला ना करें. नवंबर से दिसंबर 2024 के बीच आपका मान सम्मान बढ़ेगा.

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

राममंदिर हमारे लिए वोट पाने का राजनीतिक मुद्दा नहीं: राजनाथ

नईदिल्ली। राम मंदिर के उद्घाटन में कुछ हफ्ते बचे होने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राम जन्मभूमि उनके लिए केवल एक राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक मुद्दा है। राम मंदिर से चुनावी लाभ मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वहां मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही जब उनसे राम मंदिर से चुनावी लाभ मिलने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हमारे लिए वोट पाने के लिए यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है, राम जन्मभूमि एक हमारे लिए सांस्कृतिक मुद्दा है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मैं किसी के कहने पर कुछ नहीं कहना चाहता। मैं भगवान राम से यही प्रार्थना करना चाहता हूं कि जिनकी बुद्धि किसी कारणवश खराब हो गई है, उनकी बुद्धि सुधार दी जाए। शुद्धि हो जाये। राम सबके थे, सबके हैं और सबके रहेंगे। आपको बता दें कि राम मंदिर को लेकर देश में राजनीति खूब हो रही है।

नीतीश कुमार के तेवर ने कांग्रेस को कर दिया परेशान!

नईदिल्ली। इंडिया ब्लॉक में 2024 के पहले बड़े राजनीतिक घटनाक्रम में नीतीश कुमार को गठबंधन में बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। दिलचस्प बात यह है कि कुछ दिन पहले ऐसी खबरें आई थीं कि बिहार के मुख्यमंत्री इस गुट से नाखुश हैं। अब सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस नीतीश कुमार को गठबंधन का संयोजक बनाने पर विचार कर सकती है, जो जनता दल (यूनाइटेड) की लंबे समय से चली आ रही मांग है। इस सिलसिले में नीतीश कुमार से संपर्क की कोशिशें तेज हो गई हैं। गौरतलब है कि नीतीश कुमार ने हाल ही में कांग्रेस पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया था कि पार्टी ने जाति-आधारित गणना और आरक्षण के मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से बात करने से पहले चर्चा नहीं की। खबर यह भी है कि कांग्रेस सहित इंडिया गुट के नेता नीतीश कुमार को हर कीमत पर गठबंधन का हिस्सा बनाए रखना चाहते हैं। यही कारण है कि उन्हें इंडिया ब्लॉक का संयोजक बनाया जा सकता है।

केजरीवाल ने आप कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल पर जेल जाने की तलवार लटकी हुई है। कभी भी जांच एजेंसियां उन्हें गिरफ्तार कर सकती हैं। ऐसे में नये साल पर केजरीवाल अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से रुबरु हुए। उन्होंने सभा को संबोधित किया। इस दौरान वह जिस तरह से बात कर रहे थे मानों ऐसा लग रहा हो कि यह उनकी फेयरवेल स्पीट हो। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि आम आदमी पार्टी (आप) ने अपनी जन-केंद्रित और कार्य-केंद्रित राजनीति के माध्यम से जनता के बीच लोकप्रियता और स्वीकार्यता हासिल की है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को जनता की भलाई के लिए हमने जो रास्ता चुना है, उसके लिए जेल जाने के लिए तैयार रहना चाहिए। राष्ट्रीय परिषद की बैठकों में पार्टी नेताओं को वर्चुअली संबोधित करते हुए आप सुप्रीमो ने यह भी कहा कि उन्हें पार्टी के उन पांच नेताओं पर गर्व है जो कथित दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े मामलों में जेल में हैं।

महाराष्ट्र से सब गुजरात भेज रहा है : संजय राउत

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने सोमवार को गुजरात में हो रहे विकास कार्य को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोला और आलोचना करते हुए कहा कि यह विकास नहीं बल्कि डकैती है। मीडिया के अनुसार राज्यसभा सांसद राउत ने पीएम मोदी पर हमला करते हुए कहा, मैं केवल इतना कहूंगा कि पूरा देश एक है, विकास पूरे देश के लिए होना चाहिए। वो पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं, लेकिन जिस तरह से महाराष्ट्र और कई अन्य राज्यों से बड़ी परियोजनाएं गुजरात में लागू की जा रही हैं, उसे विकास नहीं बल्कि डकैती कहते है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र का डायमंड मार्केट गुजरात चला गया, वेदांता का प्रोजेक्ट भी गुजरात चला गया और हमारी गरीब सरकार के बेईमान मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्री खुली आंखों से सब देख रहे हैं। संजय राउत ने आगे आरोप लगाते हुए कहा, मोदी सरकार महाराष्ट्र को कमजोर करना चाहती है। उनको मुंबई को कमजोर करना है। इसलिए वो यहां की संपत्ति को गुजरात ले जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई विकल्प नहीं है : अजित पवार

पुणे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भरोसा करते हुए कहा है कि मौजूदा राजनीति में राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी का कोई विकल्प नहीं है क्योंकि उन्होंने काम किया और जनकल्याण के लिए कई योजनाओं को लागू किया है। अजित पवार ने सोमवार को पुणे में भीमा कोरेगांव युद्ध की 206वीं वर्षगांठ पर मीडिया से बात करते हुए कहा, साल 2024 में लोकसभा चुनाव हैं। हमने हाल ही में 5 राज्यों में चुनाव परिणाम देखे और उन परिणामों के लिए सभी एग्जिट पोल विफल रहे। मतदाता ही अंततः निर्णय लेते हैं। यदि हम राष्ट्रीय स्तर पर बात करें तो मुझे पीएम मोदी का कोई विकल्प नहीं दिखता है। एनसीपी नेता पवार ने कहा, आज पूरी दुनिया भारत को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के कारण पहचानती है। इसके अलावा उन्होंने आम लोगों के लिए काम किया, जनकल्याण के लिए उन्होंने कई योजनाएं लागू की है। वह सभी को समान सम्मान और न्याय दे रहे हैं, देश के युवाओं को आगे ला रहे हैं।

योग के बाद सूर्य नमस्कार कर लोगों ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

नए साल पर गुजरात ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की तारीफ

गांधीनगर। मोढेरा सूर्य मंदिर गुजरात के पाटन नामक स्थान से 30 किलोमीटर दक्षिण की ओर मोढेरा गांव में निर्मित है। यह सूर्य मन्दिर विलक्षण स्थापत्य और शिल्प कला का बेजोड़ उदाहरण है। इस मंदिर में नए साल की पहली सुबह के अवसर पर सूर्य नमस्कार कार्यक्रम हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। सबसे बड़ी बात यह रही कि नए साल के सूर्योदय के साथ ही इस राज्य के लोगों ने एक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। एक साथ बड़ी संख्या में लोगों ने सूर्य नमस्कार कर यह उपलब्धि अपने नाम दर्ज कराई है। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के लोगों को बधाई दी।

इस बड़ी उपलब्धि के गवाह खुद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह मंत्री हर्ष संघवी बने। उन्होंने मोढेरा सूर्य मंदिर के कार्यक्रम में भाग लिया। वहीं, पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि गुजरात ने नए साल का उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ स्वागत किया है। गुजरात के लोगों ने 108 स्थानों पर एक साथ सूर्य नमस्कार करने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। जैसा कि हम सभी जानते हैं, 108 की संख्या हमारी संस्कृति में एक विशेष महत्व रखती है। आयोजन स्थलों में प्रतिष्ठित मोढेरा सूर्य मंदिर भी शामिल है, जहां कई लोग शामिल हुए।

मोढेरा सूर्य मंदिर में सोमवार सुबह सूर्य नमस्कार कार्यक्रम हुआ। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। यहां गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के निरीक्षक स्वप्निल डांगरीकर भी पहुंचे। उन्होंने बताया कि वह यहां सूर्य नमस्कार करने वाले सबसे अधिक लोगों के रिकॉर्ड को सत्यापित करने के लिए आए थे। यह एक नया रिकॉर्ड है। इससे पहले किसी ने भी इस रिकॉर्ड को तोड़ने का प्रयास नहीं किया था।

उन्होंने कहा कि सभी सबूतों को जांचने के बाद यह स्पष्ट है कि यहां इतनी बड़ी संख्या में एक साथ लोगों के सूर्य नमस्कार करने से एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बन गया है।

गृह मंत्री हर्ष संघवी ने खुशी जताई

वहीं, राज्य के नाम एक और नया रिकॉर्ड होने पर गृह मंत्री हर्ष संघवी ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि आज, गुजरात ने एक साथ सबसे अधिक लोगों द्वारा सूर्य नमस्कार करने का एक नया रिकॉर्ड बनाया है। गुजरात के लोगों ने 2023 में एक साथ योग करने वाले सबसे अधिक लोगों के लिए एक ही तरह का रिकॉर्ड बनाया था और आज फिर गुजरात ने एक विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह कार्यक्रम 108 स्थानों पर आयोजित किया गया था, जहां लाखों लोगों ने एक साथ सूर्य नमस्कार किया है।

पीएम मोदी आज करेंगे तमिलनाडु और लक्षद्वीप का दौरा, देंगे 21 हजार करोड़ की सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो और तीन जनवरी को तमिलनाडु और लक्षद्वीप का दौरा करेंगे। इस दौरान वह कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के मुताबिक, मोदी दो जनवरी को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली पहुंचेंगे और भारतीदासन विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। तिरुचिरापल्ली में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विमानन, रेल, सड़क, तेल और गैस, जहाजरानी और उच्च शिक्षा क्षेत्रों से संबंधित 19,850 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इसके बाद मोदी लक्षद्वीप के अगत्ती पहुंचेंगे, जहां वह एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। तीन जनवरी को प्रधानमंत्री लक्षद्वीप में दूरसंचार, पेयजल, सौर ऊर्जा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों से संबंधित कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। लक्षद्वीप की अपनी यात्रा के दौरान मोदी 1,150 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। पीएम तिरुचिरापल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर नई टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन करेंगे। 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित, दो-स्तरीय नए अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल भवन में सालाना 44 लाख से अधिक यात्रियों और व्यस्त समय के दौरान लगभग 3,500 यात्रियों को सेवा देने की क्षमता है। मोदी राष्ट्र को कई रेल परियोजनाएं समर्पित करेंगे, जिनमें मदुरै से तूतीकोरिन तक 160 किमी के रेल लाइन खंड का दोहरीकरण और रेल लाइन विद्युतीकरण की तीन परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा पीएम मोदी कई अन्य आयोजनों में शामिल होंगे।

दिग्विजय सिंह के भाई ने मीडिया से कहा-राहुल गांधी बड़े नेता नहीं

आप भी उन्हें इतना भाव मत दीजिए

भोपाल। कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह के छोटे भाई उस समय विवादों में आ गए जब उन्होंने राहुल गांधी को महज एक साधारण पार्टी कार्यकर्ता के अलावा कुछ नहीं बताया। लक्ष्मण सिंह एमपी के गुना शहर में कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे जब उन्होंने कहा कि वह राहुल गांधी को बड़ा नेता नहीं मानते हैं। जब पत्रकारों ने दावा किया कि लोकसभा में बयान देते समय कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का चेहरा टीवी पर कम दिखाया जाता है, तो लक्ष्मण सिंह ने कहा, राहुल गांधी एक सांसद हैं, वह (पार्टी) अध्यक्ष नहीं हैं और एक कांग्रेस कार्यकर्ता हैं। यह राहुल गांधी कुछ भी नहीं हैं।

कांग्रेस नेता ने मीडिया से कहा कि आप लोगों को राहुल गांधी को इतना हाईलाइट नहीं करना चाहिए और न ही हमें करना चाहिए। पांच बार सांसद और तीन बार विधायक रह चुके लक्ष्मण सिंह ने कहा, राहुल गांधी केवल एक सांसद हैं और वह पार्टी के बाकी सांसदों के बराबर हैं। कोई जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्मों से (बड़ा) बनता है। राहुल गांधी को इतना बड़ा नेता मत मानिए, मैं नहीं। वह एक साधारण सांसद हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप उन्हें उजागर करते हैं या नहीं।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस नेता लक्ष्मण सिंह का कहना है कि राहुल गांधी को हाईलाइट क्यों किया जा रहा है, वो तो सिर्फ एक सांसद हैं। शायद ये सब वो कांग्रेस पार्टी को बता रहे हैं, क्योंकि भले ही मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष हैं, लेकिन भारत जोड़ो यात्रा हो या कोई भी यात्रा, उसके लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को ही चुना जाता है...पहले जनता ने अविश्वास दिखाया और अब पार्टी के अंदरखाने सदस्य यही व्यक्त कर रहे हैं।

इंडिया गठबंधन में अगले कुछ दिनों में सीट बंटवारे पर स्थिति होगी साफ

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के एकजुट होने के बाद अब उनके सामने सबसे बड़ी समस्या सीटों के बंटवारे को लेकर आ रही है। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन में शामिल हर दल बढ़ा-चढ़ा कर सीटों की मांग रहे हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए की सरकार को हराने की विपक्ष की मंशा पर सवाल उठने लगे हैं। सीटों के बंटवारे पर विपक्षी दलों के नेताओं का कहना है कि जल्द ही बहुत सी बातें स्पष्ट हो जाएंगी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि आपको लग रहा हो कि सीट बंटवारे को लेकर कोई विवाद चल रहा है, तो ऐसा कुछ नहीं है। 15 दिन पहले दिल्ली में सोनिया गांधी, उद्धव ठाकरे और शरद पवार के बीच बैठक हुई थी। उस बैठक में सीट बंटवारे के बारे में बहुत सी बातें स्पष्ट की गई थीं। सुले ने पत्रकारों से कहा कि आपको अभी इस बारे में कुछ नहीं बताया गया था। अगले आठ-10 दिनों में आपको जानकारी दे दी जाएगी। वहीं, इंडिया के साथ गठबंधन पर टीएमसी सांसद सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा कि अच्छा होगा कि सीटों का बंटवारा जल्द से जल्द किया जाए। 400 सीटों का बंटवारा होना चाहिए। अगर 400 सीटों पर 1:1 से मुकाबला होता है तो भाजपा की सीटें कम हो जाएंगी।

खेल
प्रमुख समाचार

वनडे से भी डेविड वार्नर ने लिया संन्यास

नईदिल्ली। दिग्गज बल्लेबाज डेविड वार्नर ने अपना अंतिम टेस्ट मैच खेलने से पहले सोमवार को एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से भी संन्यास लेने की घोषणा की लेकिन वह ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टी20 क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगे। इस 37 वर्षीय सलामी बल्लेबाज ने हालांकि स्पष्ट किया है कि अगर 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम को उनकी जरूरत पड़ती है तो वह चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। अपने घरेलू मैदान सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर अपना अंतिम टेस्ट मैच खेलने से पहले वार्नर ने खुलासा किया कि ऑस्ट्रेलिया का नवंबर में भारत के खिलाफ विश्व कप फाइनल उनका 50 ओवर के प्रारूप में आखिरी मैच था।

वार्नर ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा,''मैं निश्चित रूप से एकदिवसीय क्रिकेट से भी संन्यास ले रहा हूं। यह कुछ ऐसा था जो मैंने (50 ओवर के) विश्व कप (2023 में भारत में) के दौरान कहा था कि भारत में जीत दर्ज करो। यह वास्तव में बहुत बड़ी उपलब्धि है।''

उन्होंने कहा,''इसलिए मैं आज इन प्रारूप से संन्यास लेने का फैसला कर रहा हूं जिससे मुझे दुनिया भर के अन्य लीग में खेलने का भी मौका मिलेगा। मैं जानता हूं कि चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन जल्द होगा। इन दो वर्षों में अगर मैं अच्छी क्रिकेट खेलता रहा और उन्हें मेरी जरूरत महसूस होती है तो मैं चयन के लिए उपलब्ध रहूंगा।'' दुनिया के विस्फोटक बल्लेबाजों में से एक वार्नर के नाम पर वनडे विश्व कप के दो खिताब दर्ज हैं जिनमें विश्व कप 2023 में भारत के खिलाफ फाइनल की जीत भी शामिल है। इस टूर्नामेंट में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की तरफ से सर्वाधिक रन बनाए थे। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज वार्नर ने 2009 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होबार्ट में अपने वनडे करियर का आगाज किया था। उन्होंने अपने करियर में 161 वनडे मैच खेले जिनमें 45.30 की औसत से 6932 रन बनाए।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

शेयर बाजार में सपाट कारोबार सेंसेक्स 72,272 पर बंद

नईदिल्ली। नए साल के पहले कारोबारी सेशन में जोरदार उतार-चढ़ाव देखने को मिला जिसके बाद भारतीय शेयर बाजार लगभग सपाट बंद हुए। कारोबार के दौरान ज्यादातर समय लाल निशान में रहने के बाद बाजार आखिरी के एक घंटे में हरे निशान में आया जिसके बाद फिर गिरावट में चला गया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 22 अंक गिरकर 72,218.39 पर खुला और कारोबार के दौरान ज्यादातर समय गिरावट में रहा। हालांकि, इंट्रा-डे ट्रेड के दौरान सेंसेक्स 72561.91 के अपने हाई लेवल को भी छू गया। अंत में यह 32 अंक चढ़कर 72,271.94 पर बंद हुआ। इसी तरह, निफ्टी-50 भी पिछले बंद भाव 21,731.40 अंक के मुकाबले 21,727.75 अंक पर खुला और कारोबार के दौरान 21,834.35 के ऑल टाइम हाई लेवल को छू गया। हालांकि, कारोबार के अंत में निफ्टी-50 11 अंक या 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 21,741.90 अंक पर बंद हुआ।

इसरो ने सफलतापूर्वक लॉन्च किया साल का पहला मिशन

अमरावती। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक्स-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट को एक जनवरी 2024 की सुबह नौ बजकर 10 मिनट पर लॉन्च कर दिया है। इस सैटेलाइट को लॉन्च आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा सतीश धवन स्पेस सेंटर से किया गया है। ये सैटेलाइट ब्लैक होल जैसे आकाशीय पिंडों के रहस्यों का अध्ययन करेगी। इसरो के सबसे भरोसेमंद ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) ने अपने सी58 मिशन में मुख्य एक्स-रे पोलरिमीटर उपग्रह (एक्सपोसैट) को पृथ्वी की 650 किलोमीटर निचली कक्षा में स्थापित किया। उन्होंने कहा, ''इस बिंदु से पीएसएलवी के चौथे चरण की कक्षा सिमटकर निचली कक्षा में बदल जाएगी जहां पीएसएलवी का ऊपरी चरण जिसे 'पोअम' बताया गया है वह पेलोड के साथ प्रयोग करेगा और उसमें थोड़ा वक्त लगेगा।''

मारुति सुजुकी ने दिसंबर में बेची 1,37,551 गाड़ियां

नईदिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी ने दिसंबर 2023 में कुल मिलकर 1,37,551 गाड़ियां बेचीं। कंपनी की बिक्री में सालाना आधार पर 1.28 प्रतिशत की गिरावट आई है। मारुति सुजुकी ने दिसंबर 2022 में कुल 1,39,347 गाड़ियों की बिक्री की थी। मारुति सुजुकी की तरफ से जारी बयान के अनुसार, यात्री वाहनों, कमर्शियल वाहनों और तीसरे पक्ष की आपूर्ति सहित पिछले महीने कुल घरेलू बिक्री 5.86 प्रतिशत घटकर 1,10,667 इकाई रही, जो दिसंबर 2022 में 1,17,551 इकाई थी। बयान में कहा गया, हालांकि पहली बार कंपनी ने कैलेंडर वर्ष 2023 में 20 लाख इकाई की वार्षिक बिक्री का आंकड़ा पार किया। इसमें 2,69,046 इकाई का अब तक का सर्वाधिक निर्यात (किसी कैलेंडर वर्ष में) शामिल है। कंपनी के अनुसार, दिसंबर 2023 में कुल घरेलू यात्री वाहन (पीवी) की बिक्री 6.46 प्रतिशत घटकर 1,04,778 इकाई रही।

रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश 2023 में 37% घटा

नईदिल्ली। कैलेंडर वर्ष 2023 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 37 प्रतिशत घटकर 82.23 करोड़ अमेरिकी डॉलर रह गया। रियल एस्टेट सलाहकार कोलियर्स इंडिया ने यह जानकारी दी। कोलियर्स इंडिया के आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर-दिसंबर 2023 में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश 82.23 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 129.94 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। कैलेंडर वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में कार्यालय क्षेत्र में धन का प्रवाह 23 प्रतिशत घटकर 13.55 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 17.55 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। आवास क्षेत्र में अक्टूबर-दिसंबर 2023 में निवेश 79 प्रतिशत गिरकर 8.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 37.91 करोड़ अमेरिकी डॉलर था।

भारत के लिए वर्ष 2024 भी सुनहरा वर्ष साबित होने जा रहा है

प्रह्लाद सबनानी

विश्व के कुछ देश वर्ष 2024 में मंदी की मार झेल सकते हैं, यह कुछ अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों का आंकलन है। परंतु, वैश्विक स्तर पर अर्थव्यस्था के गिरने की सम्भावनाओं के बीच एक देश ऐसा भी है, जिस पर समस्त अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों, विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक, की नजरें टिकी हैं, वह है भारत। भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति समस्त विदेशी वित्तीय संस्थान आशावान हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को अब भारत ही सहारा देने की क्षमता रखता है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अभी हाल ही में एक प्रतिवेदन जारी किया है। इसमें भारत के प्रति मुख्य रूप से तीन बातें कही गई हैं। प्रथम, भारत आज विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। दूसरे, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करेगा। तीसरे, वर्ष 2024 में वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान 16 प्रतिशत का रहने वाला है। भारत आने वाले समय में पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था के विकास में एक इंजिन के रूप में अपना योगदान देने को तैयार है।

भारत ने वर्ष 2023 में विश्व में कम होती विकास दर के बीच भी आकर्षक विकास दर हासिल की है। क्योंकि, भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, लगातार कई बड़े फैसले लिए हैं, जिनका प्रभाव अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। एक तो भारत ने आर्थिक व्यवहारों का डिजिटलीकरण किया है और इस क्षेत्र में पूरे विश्व को ही राह दिखाई है, इससे आर्थिक व्यवहारों की न केवल निपुणता बढ़ी है बल्कि लागत भी बहुत कम हुई है। दूसरे,

केंद्र सरकार ने देश में आधारभूत संरचना को विकसित करने के लिए भारी भरकम राशि का पूंजीगत खर्च किया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए की राशि इस मद पर खर्च की गई थी एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 में 10 लाख करोड़ रुपए की राशि इस मद पर खर्च की जा रही है। भारत में सड़क, रेल्वे एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विकास पर 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का पूंजीगत खर्च आगे आने वाले समय में किये जाने की योजना बनाई गई है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच आधारभूत संरचना के विकास हेतु 70 लाख करोड़ रुपए की राशि का पूंजीगत खर्च किया गया था परंतु वर्ष 2024 से 2030 के बीच 143 लाख करोड़ रुपए की राशि का पूंजीगत खर्च किए जाने की योजना बनाई जा रही है। तीसरे, भारत में केंद्र सरकार ने गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों को कई योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान करने की भरपूर कोशिश की है, जिसका परिणाम इस वर्ग की संख्या में भारी भरकम कमी के रूप में देखने को मिला है। और फिर, अब तो यह वर्ग मध्यम वर्ग की श्रेणी में शामिल होकर भारत में उत्पादों की मांग में वृद्धि करने में सहायक की भूमिका निभा रहा है, जिससे देश में ही विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में भारी वृद्धि हो रही है।

इसी प्रकार, विश्व के सबसे बड़े ऑफिस काम्प्लेक्स का निर्माण भारत में गुजरात राज्य के सूरत शहर में किया गया है। इस ऑफिस काम्प्लेक्स में 4,500 से अधिक हीरा व्यवसाईयों के कार्यालय स्थापित किए गए हैं। इस काम्प्लेक्स में कच्चे हीरे के व्यापारियों से लेकर पोलिश हीरे की बिक्री करने वाली कम्पनियों के ऑफिस एक ही जगह पर स्थापित किए जाएंगे। सूरत डायमंड बोर्स बिल्डिंग के नाम से इस काम्प्लेक्स, जो 67 लाख वर्गफुट से अधिक के क्षेत्र में फैला है, का उद्घाटन दिसम्बर 2024 माह में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा सम्पन्न हुआ है। यह काम्प्लेक्स अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन के मुख्यालय भवन से भी बड़ा है, पेंटागन के मुख्यालय को आज तक विश्व में सबसे बड़ा भवन माना जाता रहा है। इस तरह के कई व्यावसायिक केंद्र भारत में विकसित हो रहे हैं। विश्व के अन्य देश मुद्रा स्फीति की समस्या से पिछले कुछ वर्षों से लगातार जूझते रहे हैं परंतु भारत ने इस समस्या पर भी नियंत्रण प्राप्त करने में सफलता हासिल की है।

नए साल के पहले दिन थमे ट्रकों-बसों के पहिए

रायपुर। मोटर व्हीकल एक्ट संशोधन के विरोध में राजधानी में भी सोमवार को ट्रकों और बसों के ड्राइवर सड़कों पर उतरे। ड्राइवरों ने रिंग रोड नंबर 4 को जाम कर दिया और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मौके पर पहुंची पुलिस प्रदर्शनकारियों को हटाने और समझाइश का प्रयास करती दिखी, इस दौरान ड्राइवरों और पुलिस के बीच काफी कहासुनी भी हुई। रावण भाठा स्थित नए बस स्टैंड में भी बसों से यात्रियों को उतारा जा रहा था, जिसे लेकर पुलिस और बस ड्राइवर और कर्मचारियों के बीच काफी देर तक कहासुनी हुई।

इस दौरान पुलिस ने एक बस कर्मचारी को हिरासत में ले लिया। हालांकि पुलिस की समझाइश के बाद प्रदर्शनकारी शांति पूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने राजी हुए। हड़ताली वाहन चालकों ने केन्द्र से हिट एंड रन केस में चालक पर 10 साल कारावास और 7 लाख जुर्माना वापस लेने की मांग की है। नए मोटर अधिनियम के विरोध में प्रदेश के ट्रक एसोसिएशन ने हड़ताल का आव्हान किया है। रायपुर राजमार्ग पर टोल प्लाजा पर सैकड़ों चालकों ने ट्रकों और भारी वाहनों को खड़ा कर टायर जलाकर प्रदर्शन किया।

चालकों ने हादसे के दौरान घायल को छोड़ कर भागने में दस वर्ष की सजा को रद्द किए जाने की मांग उठाई। हड़ताल के चलते यात्रियों को साल के पहले ही दिन काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ा।

सुबह से ही बस स्टैंड पर भारी संख्या में बसे खड़ी रही। चालकों का कहना है कि, हिट एंड रन अधिनियम केस में चालक पर 10 साल कारावास और 7 लाख जुर्माना ज्यादती है। इसे वापस लिया जाए। नए कानून के विरोध में प्रदर्शन कर रहे ड्राइवरों की गुंडागर्दी भी कुछ जगहों पर सामने आई है। प्रदर्शनकारी ड्राइवरों ने दफ्तर जा रहे कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया।

इस दौरान ड्राइवरों के उत्पात के चलते एक महिला डर गई और वापस घर लौट गई। राहगीरों ने आंदोलनकारी ड्राइवरों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है. वहीं स्थिती बिगड़ती देख पुलिस ने मोर्चा सम्भाला और ड्राइवरों को शांतिपुर्ण प्रदर्शन करने की समझाइश दी।

अब अनिश्चितकालीन हड़ताल की तैयारी

नई दिल्ली। पूरे देश में बसों और ट्रकों के पहिए नए साल के पहले दिन थम गए। इसमें प्राइवेट बसों ट्रकों से लेकर सरकारी महकमें की बसें भी शामिल रही। आलम यह रहा कि सोमवार को देश के ज्यादातर राज्यों के हाईवेज पर न सिर्फ ट्रक और प्राइवेट बस खड़ी हो गई। सरकारी बसों के पहिए भी इस हड़ताल में थम गए। नतीजा हुआ कि देश के अलग-अलग राज्यों में सफर करने वाले यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा, जबकि राष्ट्रीय राजमार्गों पर हड़ताल के चलते कई जगहों पर भारी जाम का भी सामना करना पड़ा। जिसके चलते इन रास्तों से आने जाने वाले लोगों को भी खूब परेशानियां हुई। ऑल इंडिया ट्रक और बस ड्राइवर संगठन का कहना है ड्राइविंग के दौरान हुई दुर्घटना के लिए बनाया गया नया कानून अगर नहीं बदला जाएगा तो यह स्ट्राइक अनिश्चितकालीन के लिए बढ़ा दी जाएगी। ऑल इंडिया ट्रक और बस ड्राइवर संगठन समेत अलग-अलग ड्राइवर संगठन के लोगों ने 1 जनवरी से 3 जनवरी तक का स्टेरिंग छोड़ो के नाम से चक्का जाम शुरू कर दिया है। संगठन के सोनू यादव कहते हैं कि आपराधिक कानूनों में किए गए बदलाव के कारण हिट एंड रन केस में भी सजा बढ़ा दी गई है।

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

जड़ों से जुड़े रहें जन प्रतिनिधि

छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों और विधायकों को भाजपा हाईकमान ने सख्त हिदायत दी है कि सब को जनता के बीच बेहतर छवि बनाकर काम करना है। हिदायत यही है कि मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री,और विधायक चार दिन राजधानी में रहे और तीन दिन अपनी-अपनी विधानसभा क्षेत्र में रहें। मुझे लगता है कि हाई कमान का यह निर्देश समय सापेक्ष है। छह महीने बाद लोकसभा के चुनाव भी होने हैं इसलिए जरूरी है कि हर विधायक अपने क्षेत्र के मतदाताओं के साथ जुड़ा रहे ताकि अभी जो विजयश्री मिली है, उसे लोकसभा चुनाव में भी कायम रखा जा सके। मेरा अपना मानना है कि किसी भी हाई कमान को अपनी पार्टी के सरकारों के लिए इस तरह के निर्देश देने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए कि आपको कुछ दिन राजधानी में तो कुछ दिन अपने विधानसभा क्षेत्र में रहना है। यह तो हर जन प्रतिदिन का परम कर्तव्य होना चाहिए कि वह अपने मतदाताओं से, अपने क्षेत्र की जनता से जुड़ रहे । ज्यादातर मामलों में यही होता है कि एक बार चुनाव जीत कर विधायक महोदय राजधानी क्या पहुंचते हैं, वे पलट कर देखते ही नहीं। जनता को भूल ही जाते हैं ।जैसे राजा कभी राजा दुष्यंत शकुंतला को भूल गए थे। बाद में जब उन्हें शकुंतला ने अंगूठी दिखाई तब राजा दुष्यंत की याददाश्त वापस लौटी। हमारे जनप्रतिनिधि भी चुनाव जीतने के बाद दुष्यंत की तरह हरकत करने लगते हैं। अपनी लूटखसोट की दुनिया में इतने मग्न हो जाते हैं कि उन्हें याद ही नहीं रहता कि जनता भी है ,उसकी कुछ समस्याएं हैं, कुछ मुद्दे हैं, उन पर विचार किया जाना चाहिए।उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाए । लेकिन इन सबकी अनदेखी होती है। अनुभव तो यही है कि विधायक बनने के बाद से ही अनेक विधायक स्मृति लोप के शिकार हो जाते हैं। कुछ चालाक जन प्रतिनिधि तो अपना फोन नंबर भी बदल देते हैं, या पुराने नंबर पर कोई कॉल करता है तो अपने किसी सहायक को थमा देते हैं। बात ही नहीं करते। इसी विषय पर मैंने पिछले दिनों एक मित्र की पीड़ा को कथा में तब्दील किया था ।वह कुछ इस तरह है कि 'हमारे मित्र के समाज का एक नेता विधायक बन गया, तो हमने मित्र को फोन किया, 'बधाई ! आपके स्वजन विधायक बन गए । उनको बधाई तो दे दी होगी। एक समय आपने उनकी बड़ी मदद की थी।' इतना सुनना था कि उन्होंने पहले अश्लील गाली दी फिर बोले, 'साले को कई बार फोन किया, व्हाट्सएप भी, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। कोई ज़वाब ही नहीं दिया।'

उनकी बात सुनकर हँसी आ गई। मैंने कहा, 'इसका मतलब है कि बंदा पक्का विधायक बन गया है।' तो ये हाल है। ऐसे लोग पाँच साल तक तो जरूर विधायकी का आनंद ले लेते हैं लेकिन अगले चुनाव में बुरी तरह पराजित हो जाते हैं । इन का पतन इसलिए होता है कि अपने आप को बहुत बड़ा आदमी समझने लग जाते हैंम जबकि इनको बड़ा बनाने का काम जनता करती है। और उसी जनता से ये अपनी दूरी बना लेते हैं। भाजपा हाईकमान ने विधायकों की मानसिकता को अच्छे-से समझा है इसलिए उन्होंने यह निर्देश दिए हैं कि वह अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में भी समय दें। वहां के लोगों से मिले-जुलें। उनकी समस्याओं को सुनें और समाधान करें । अगर बीजेपी इन पांच सालों में ऐसा करवा सकी तो कोई बड़ी बात नहीं है कि आगामी चुनाव में फिर सत्ता में वापस लौट आए। कांग्रेस का पतन सिर्फ इसलिए हुआ कि उसके तमाम मंत्री अपने आप को शहंशाह समझने लगे थे। विधायकों का भी जनता से संपर्क टूट गया था। जिनका थोड़ा- बहुत संपर्क बचा रहा ,वे जीत गए। अगर विधायकों का जनता के बीच में जाने का सिलसिला बना रहेगा, तो ये चेहरे अनजान नहीं रहेंगे। और अगर मतदाताओं से इनके मधुर संबंध रहे, समस्याओं का समाधान भी होता रहा तो उन्हें दोबारा भी जीत हासिल हो सकती है।

छत्तीसगढ़ की बेहतरी के लिए संवेदनशीलता के साथ काम करें अधिकारी: मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज नये साल के दिन जब मंत्रालय महानदी भवन में विभागीय काम-काज निपटाने पहुंचे, तो इस मौके पर विभिन्न विभागों के सचिवों ने मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें नव-वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने भी उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। साथ ही यह भी कहा कि आज साल का पहला दिन है। आज हम समीक्षा करें कि किस तरह अगले एक साल में अपने विभागीय लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में बेहतर रणनीति और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर सकते हैं। नई सरकार से लोगों में बहुत सी उम्मीदें हैं। इन सबको पूरा करने के लिए हम

■ छत्तीसगढ़ की बेहतरी के लिए संवेदनशीलता के साथ काम करें अधिकारी

सबको कड़ी मेहनत करनी है। मंत्रालय में सचिव स्तर के अधिकारी लोक कल्याण के लिए बनाई गई योजनाओं पर जितनी बेहतरी से कार्य करेंगे, जमीनी स्तर पर इनके क्रियान्वयन में स्थानीय अधिकारियों को उतनी ही मदद मिलेगी। सचिवों से भेंट के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ की जनता को दी गई गारंटी के संबंध में विशेष रूप से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी जी की सभी गारंटी को पूरा करना हमारी प्राथमिकता है। पिछले पांच वर्षों में केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में जो प्रगति अपेक्षित रही है, उसका लाभ लोगों तक पहुंचाना है। प्रधानमंत्री आवास योजना से लेकर लोगों के लिए शुद्ध पेयजल तक मोदी जी की गारंटी आम जनता की दैनिक जरूरतों से जुड़ी हैं। इन्हें पूरा करने के लिए मिशन मोड में काम करना होगा।

मुख्यमंत्री ने चर्चा में कहा कि मंत्रियों को विभाग आवंटित कर दिये गये हैं। शासन की मंशा के मुताबिक लोक कल्याणकारी योजनाओं में तेजी से प्रगति लानी है। हमने सुशासन दिवस पर अटल मानिटरिंग ऐप भी लांच किया है। इसके माध्यम से हमें योजनाओं की प्रगति की अद्यतन जानकारी मिलती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभागीय योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की स्थिति पर नजर रखें। जहां किसी तरह की दिक्कत आ रही हैं, उन्हें समय-समय पर अवगत कराते रहें ताकि तत्काल ही सुधारात्मक उपाय किये जा सकें।

28 परिवार के 140 लोगों ने की घर वापसी, अपनाया सनातन धर्म

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मध्य में आयोजित घर वापसी समारोह में कुल 28 परिवारों के लगभग 140 सदस्य, जो पहले कुछ समूहों या व्यक्तियों के प्रभाव में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, सनातन में वापस आ गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार समाज सुधारक और आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के अवसर पर विश्व शांति महायज्ञ के साथ-साथ एक संत सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसमें सैकड़ों की संख्या में पूर्व में लौटे श्रद्धालु शामिल हुए. ईसाई धर्म अपनाकर पुन: सनातन में लौट आए हैं। भारतीय जनता पार्टी के राज्य सचिव और अखिल भारतीय घरवापसी अभियान प्रमुख, प्रबल प्रताप जूदेव ने बताया कि जो लोग धर्मांतरित हुए थे, वे मूल रूप से हिंदू हैं और उन्हें उनके वास्तविक धर्म में वापस लाना हमारा सर्वोपरि कर्तव्य है, घरवापसी मेरी आत्मा है। उन्होंने सनातन में लौटने वालों का पवित्र गंगाजल से पैर धोकर स्वागत किया।

प्रमुख समाचार छत्तीसगढ़/राजधानी

महापौर एजाज ढेबर की हटाई गई सुरक्षा

रायपुर। रायपुर के महापौर एजाज ढेबर की सुरक्षा हटा ली गई। कांग्रेस सरकार के वक्त

महापौर ढेबर की सुरक्षा में तीन पुलिसकर्मी बतौर पर्सनल सिक्योरिटी आफिसर (पीएसओ) ड्यूटी पर लगाए गए थे। ये सार्वजनिक कार्यक्रमों में महापौर के साथ ही हुआ करते थे। अब इन्हें हटा लिया गया है। आमतौर पर रायपुर के महापौर को पुलिस सुरक्षाकर्मी दिए जाते रहे हैं, मगर इस बार सरकार बदलते ही अचानक ढेबर की सिक्योरिटी को हटा लिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक सिर्फ एक पुलिसकर्मी को महापौर के साथ रखा गया है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस नेताओं को दी गई तमाम सुरक्षा का नए सिरे से रिव्यू पुलिस विभाग कर रहा है। जहां जरूरत नहीं, वहां से सुरक्षा हटाने का काम शुरू किया जा चुका है। महापौर समेत रायपुर के पूर्व विधायक कांग्रेस नेताओं की सुरक्षा को भी रिव्यू किया गया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में और भी नेताओं की सिक्योरिटी को भी हटाया जा सकता है। महापौर ढेबर ने कहा कि यह गलत परंपरा है। मेरा मानना है राजनीति से प्रेरित होकर चार में से तीन पीएसओ को अचानक, बिना कोई जानकारी दिए हटा दिया गया। शहर का प्रथम नागरिक होने के नाते सुरक्षा मिलनी चाहिए, क्योंकि शहर में मुझे भ्रमण करना पड़ता है। इससे पहले के सभी महापौरों को सुरक्षा दी गई थी। प्रदेश में सत्ता परिवर्तन जरूर हुआ है, पर शहर(नगर निगम) में

2024 से कानून का राज होगा : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर। भाजपा के राज में अपराध में बढ़ोतरी के कांग्रेस के आरोप पर गृह मंत्री एवं उप मुख्यमंत्री

विजय शर्मा ने कहा कि 15 दिन की सरकार का ऐसा आंकलन नहीं किया जाता। साय सरकार का स्पष्ट मानना हैं कि संविधान के आधार पर सरकार चलें। कानून का राज हो, किसी व्यक्ति विशेष का राज न हो। कानून किसी की जेब में न हो। पहले ऐसा हुआ है, उन सबका उपचार किया जाएगा, निराकरण किया जाएगा।प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नशा बढ़ा है। 13,15 साल के बच्चे इंजेक्शन से नशा करते हैं। ये सब हर हाल में समाप्त होना चाहिए। वहीं नए साल में कानून व्यवस्था को लेकर गृहमंत्री ने कहा कि हर दिन मेहनत और चुनौती का दिन है। अगले साल भी चुनौतियां होंगी। आने वाला समय प्रदेश के लिए अच्छा हो, कानून का राज हो। नौजवान किसी और दिशा में हैं, उन्हें समझाकर मुख्यधारा में लायेंगे। लोकसभा चुनाव को लेकर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा साय सरकार किए हुए वादों को पूरा कर रही है। आने वाले समय में भी जनता का पूरा समर्थन भाजपा को मिलेगा। वहीं बीजेपी की बैठक को लेकर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि पार्टी के निर्देश हैं, सरकारों को कैसे होना चाहिए। बार-बार बीजेपी की सरकार बने। उसके लिए स्पष्ट दिशा निर्देश हैं, उस पर चर्चा होगी।

राज्य में प्रशासनिक सर्जरी के मिलने लगे संकेत

रायपुर। राज्य में सत्ता परिवर्तन, मंत्रियों की

नियुक्ति तथा विभागों के बंटवारा होने के बाद जल्द ही प्रशासनिक सर्जरी होने वाली है। इस बात के संकेत मिलने शुरू हो गए हैं कि जल्द ही वरिष्ठ अफसरों के प्रभारों में फेरबदल किया जाएगा। इसमें मंत्रालय से लेकर पीएचक्यू में पदस्थ वरिष्ठ अफसरों के प्रभारों में बड़ा फेरबदल होगा। मंत्रालय व पीएचक्यू के साथ ही संचालनालय में पदस्थ अफसरों की भी बदली हो सकती है। वहीं जिलों के कलेक्टर, एसपी भी बदले जाएंगे। पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार में बड़े विभागों की जिम्मेदारी संभाल रहे और जिला स्तर पर करीबी रहे कलेक्टरों की नई पदस्थापना के संकेत मिल रहे हैं। इसके अलावा आईएएस तथा आईपीएस व वरिष्ठ प्रशासनिक अफसरों के प्रभारों में भी बड़ा बदलाव होने का इनपुट आ रहा है। इसके अलावा ऐसे अफसर जो पूर्ववर्ती सरकार में प्रदेश के दूरस्थ अंचलों में रहकर अपने कर्तव्य पूरा करते रहे, उन्हें राजधानी अथवा प्रमुख शहरों में नियुक्त किया जा सकता है। इनमें पुलिस विभाग के बड़े अफसरों का नाम सामने आ रहा है। हालांकि अभी इन अफसरों के नाम क्लीयर नहीं हुआ है। मगर जानकारों की माने तो अब ऐसे अफसरों को राजधानी रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, कोरबा, राजनांदगांव, रायगढ़ जैसे बड़े शहरों में पोस्टिंग दी जा सकती है।

भारत न्याय यात्रा: इस यात्रा से भी नहीं मिलने वाला कांग्रेस को कोई लाभ

रायपुर। राहुल गांधी के भारत न्याय यात्रा को लेकर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि पहले राहुल गांधी ने एक और यात्रा निकाली थी, जिसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ और राजस्थान से कांग्रेस सरकार की चली गई। मध्य प्रदेश में बड़ी उम्मीद पाल कर बैठे थे, लेकिन वहां भी कुछ नहीं मिला। इस यात्रा का भी कोई लाभ कांग्रेस को नहीं मिलने वाला है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि कांग्रेस पार्टी नरेंद्र मोदी जी का मुकाबला नहीं कर पा रही है। मोदी जी के विरोध के चलते देश का, देश की जनता का विरोध करने लगे हैं। देश की जनता ऐसी बातों को पसंद नहीं कर रही है। कांग्रेस का कुछ नहीं होने वाला है, कितनी भी यात्रा निकाले। भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री ने सीएम और मंत्रियों की बैठक ली। बैठक को लेकर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि इसके बाद प्रदेश में चल रही गतिविधियों पर चर्चा हुई। विकसित भारत संकल्प यात्रा को सफल बनाने चर्चा हुई। राष्ट्रीय बैठक में जो निर्णय लिए गए उसका पालन किए जाने किए जाने पर चर्चा हुई। छत्तीसगढ़ में लोकसभा की 11 की 11 सीटें हम जीतेंगे, इस लक्ष्य से काम करेंगे।

मोदी सरकार के काले कानूनों के खिलाफ ड्राइवरों की मांग जायज़-सुरेन्द्र वर्मा

रायपुर। मोदी सरकार के अधिनायकवादी फैसलों के विरोध में ड्राइवरों के हड़ताल पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मन की बात करना और मनमानी थोपना केंद्र की मोदी सरकार का राजनीतिक चरित्र बन चुका है। निजी बीमा कंपनियों को मुनाफा पहुंचने के लिए जन विरोधी नीति थोपी गई है। वाहन चालक आर्थिक रूप से इतना सक्षम नहीं होते हैं, की 10 लाख रुपए का जुर्माना पटा सके गरीब ड्राइवर पर दोहरी मार केंद्र की मोदी सरकार के फैसले से पड़ने वाली है एक तरफ भारी भरकम जुर्माना, दूसरी तरफ 7 साल जेल की सजा ऐसे में जब परिवार का कमाने वाला मुखिया एक ड्राइवर 7 साल के लिए जेल चला जाएगा तो उसके परिजनों का क्या होगा? उनका भरण पोषण कैसे होगा? केंद्र की मोदी सरकार के द्वारा थोपे गए इस काले कानून से देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वाहन चालक वर्ग बुरी तरह से भयभीत है। दुर्घटना जानबूझकर नहीं होते नहीं होते, ऐसे में भारी भरकम जुर्माना और लंबी सजा का प्रावधान आम वाहल चालकों के सामर्थ्य से बाहर हैं, अमानवीय है, अव्यावहारिक है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी और केंद्र के मोदी सरकार लोकतंत्र को खत्म करने अमादा है। मोदी सरका को जब-जब जन विरोधी कानून पास करना होता है, तब-तब षडयंत्र पूर्वक बिल पेश करने से पहले विपक्ष दल के सांसदों को सदन से बाहर कर दिया जाता है।

प्रधानमंत्री जनमन शिविर में विशेष पिछड़ी जनजातियों को मिल रहा है योजनाओं का लाभ

■ मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देश पर अधिकारी घरों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं से हो रहे है अवगत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के तहत राज्य के विशेष पिछड़ी जनजातियों को शिविर के माध्यम से योजनाओं का लाभ दिलाने की तेज पहल की जा रही है। पोषण चौपाल व शिविर के माध्यम से योजनाओं का लाभ दिलाने उनके घर तक पहुंचकर जागरूक करने का विशेष प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं प्रशासनिक अमला विशेष पिछड़ी जनजातियों के पंचायत, बसाहट, टोला पारा एवं घर द्वार तक पहुंच कर बड़ी सरलता एवं आत्मीयता से विभिन्न प्रकार के समस्याओं एवं आवश्यकताओं से अवगत करा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंर्तगत विशेष पिछड़ी जनजाति समूह की सामाजिक आर्थिक उन्नति के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को बेहतर क्रियान्वयन के लिए शिविर लगाया जा

रहा है। अधिकारी कर्मचारी शिविर के माध्यम से से अवगत हो रहे हैं । इनका चिन्हांकन कर सभी विशेष जनजातीय समूहों के लोगों को प्रधानमंत्री जनमन योजना का लाभ दिलाने मिशन मोड में कार्ययोजना बनाकर उन्हें लाभ प्रदान कराने व व योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए कार्य योजना बनाने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। इसी कड़ी में महासमुंद विकासखंड अंतर्गत ग्राम झालखमहरिया में जिला प्रशासन कमार परिवारों के घर जाकर उनसे जानकारी एकत्र कर रहा है । प्रशासन द्वारा उनकी समस्याओं से अवगत होकर उन्हें संबंधित योजनाओ के बारे में जानकारी दी जा रही है।इसके साथ ही शिविर लगाकर योजनाओ का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। विशेष पिछड़ी जनजातियों को वीडियो संदेश के माध्यम से जानकारी दी जा रही है और हितग्राहियों को जनमन कार्ड भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं ।

गौरतलब है कि विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना संचालित की जा रही है। इसके अंतर्गत विभिन्न विभागों के समन्वय से पेयजल, आवास, सड़क, मोबाईल मेडिकल यूनिट, छात्रावास निर्माण, आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से पोषण, वनधन केंद्र की स्थापना, आधर कार्ड, आयुष्मान कार्ड , पक्का आवास, नल जल योजना, इंटरनेट एवं मोबाईल सर्विस की उपलब्धता तथा आजीविका संवर्धन हेतु कौशल विकास सहित महत्वपूर्ण गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जाएगा।

पुलिस की सख्ती का दिखा असर : नववर्ष में होने वाले हुड़दंग पर लगा विराम

■ देर रात तक बजने वाले डीजे पर लगी रोक

■ सड़कों पर देर रात तक बेवजह घूमने वाले नहीं आए नजर

रायपुर। नववर्ष 2024 की पूर्वसंध्या से ही राजधानी रायपुर में पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के चाक-चौबंद व्यवस्था कर रखा था। शहर के प्रवेश करने वाले मार्गों में बेरिकेटिंग कर वाहनों की सघन जांच-पड़ताल की गई। इसके अलावा शराब पीकर वाहन चलाने वाले तथा दोपहिया वाहन में तीन सवारी चलने वालों पर जमकर कार्रवाई की गई। इधर शहर के देवालयों में आज सुबह से ही लोग पूजा-अर्चना करने पहुंचते रहे।

नया वर्ष मनाने की आड़ में हुड़दंग करने वालों के खिलाफ इस बार पुलिस ने काफी सख्ती बरती है। पुलिस प्रशासन ने इसके पूर्व ही सूचना जारी कर दी थी कि नववर्ष की आड़ में हुड़दंग करने वालों पर त्वरित व सख्त कार्रवाई की जाएगी। हुआ भी ऐसा ही, पुलिस ने शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, आउटरों, शहर में प्रवेश करने वाले मार्गों में बेरिकेटिंग कर वाहनों की सघन जांच-पड़ताल की। इसके अलावा देर रात तक सड़कों पर घूमने वालों की धरपकड़ की गई। दोपहिया वाहन में तीन सवारी चलने वालों पर सीधे जुर्माना वसूला गया तथा नाम-पता दर्ज किया गया। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर भी पुलिस की कार्रवाई हुई और इनके खिलाफ भी कार्रवाई किया गया।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.